सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आईसीसी रैंकिंगः सूर्यकुमार यादव की टॉप-10 में वापसी पेज: 7

मदार्नी सिर्फ एक फिल्म नहीं, ये एक जिमेदारी है पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 289 | गुरुवार 29 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भारतीय रेल की बड़ी उपलब्धि : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली एजेंसीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए असम के कामाख्या और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच हाल ही में शुरू की गई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सराहना की और इसे भारतीय रेल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग की सेवा करने वाली भारतीय रेल 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य के बेहद करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने दिल्ली और मिजोरम की राजधानी आइजोल के बीच सीधे रेल संपर्क का भी उल्लेख किया, जिसे राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि जब यह ट्रेन पहली बार आइजोल पहुंची, तो स्थानीय लोगों में दिखी खुशी और उत्साह ने पूरे देश को गर्व और आनंद से भर दिया। भारतीय रेल की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देश ने बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है।

बजट सत्र की शुरूआत, जी राम-जी बिल का नाम आते ही विपक्ष ने खड़े होकर किया जोरदार विरोध

नई दिल्ली एजेंसीः बुधवार दोपहर दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई और कल (गुरुवार) सुबह 11 बजे फिर से शुरू होगी। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने सराहना व्यक्त करते हुए मेजें थपथपाईं, वहीं विपक्षी सांसद खड़े होकर विरोध प्रदर्शन करते हुए कानून को वापस लेने की मांग करने लगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र 2026-27 के पहले दिन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और विकसित भारत के लिए केंद्र सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने लोकसभा के 18वें सत्र और राज्यसभा के 270वें सत्र के उद्घाटन दिवस पर लोकसभा कक्ष में एकत्रित दोनों सदनों के सदस्यों को

संबोधित किया। विकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 (जी राम-जी बिल विधेयक) पर बोलते हुए मुर्मू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत-जी राम-जी बिल कानून बनाया गया है। इस नए सुधार के साथ, गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी होगी। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने संसद को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें "प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है"। उन्होंने याद दिलाया कि पिछला वर्ष भारत की तीव्र प्रगति और समृद्ध विरासत का उत्सव मनाने के लिए यादगार रहा। उन्होंने उल्लेख किया कि पूरे देश में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया गया और नागरिकों ने बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया। बिरसा मुंडा की 150वीं

सदन की कार्यवाही विपक्षी विरोध के बीच स्थगित कर दी

बजट सत्र 2026-27 की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संयुक्त सत्र में अभिभाषण से हुई, जिसमें उन्होंने विकसित भारत, सामाजिक न्याय और 125 दिनों की ग्रामीण रोजगार गारंटी पर सरकार का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सदन की कार्यवाही विपक्षी विरोध के बीच स्थगित कर दी गई और अब गुरुवार को फिर से शुरू होगी।

जयंती पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और आदिवासी समुदाय के प्रति उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती से संबंधित कार्यक्रमों ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत किया। पूरे देश ने देखा कि भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह ने देश को संगीत और एकता की भावना से भर दिया। जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जो हमें विकसित भारत की ओर ले जाने वाले हमारे सफर को और गति प्रदान करती है। सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करते हुए, राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि बाबासाहेब अंबेडकर ने लगातार समानता और सामाजिक न्याय पर बल दिया, जो संविधान में निहित मूल्य हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के अपने सभी अधिकार मिलने चाहिए। मेरी सरकार सच्चे सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप, पिछले एक दशक में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं

और सरकार के तीसरे कार्यकाल में गरीबों को सशक्त बनाने के प्रयासों को और तेज किया जा रहा है। मेरी सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासी समुदाय और सभी के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। 'सबका साथ सबका विकास' का दृष्टिकोण प्रत्येक नागरिक के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।

मणिपुर में पीड़ितों को मिलती रहेगी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीश पैनल का कार्यकाल दो साल बढ़ाया

नई दिल्ली एजेंसीः सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मणिपुर में राहत और पुनर्वास उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए गठित सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की उच्च-स्तरीय समिति का कार्यकाल 31 जुलाई, 2026 तक बढ़ा दिया, जहां मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि मामले के तथ्यों को देखते हुए समिति का निरंतरता आवश्यक है और उससे निर्धारित अवधि के भीतर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का आग्रह किया। वरिष्ठ अधिवक्ता विभा दत्ता मखीजा द्वारा समिति की ओर से पेश होने पर अदालत को सूचित किया गया कि समिति ने अभी तक अपना निर्धारित

कार्य पूरा नहीं किया है, जिसके बाद समय सीमा में विस्तार दिया गया। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरामानी भी उपस्थित थे। अदालत को बताया गया कि समिति अब तक 32 रिपोर्टें प्रस्तुत कर चुकी है, कई और रिपोर्टें प्रक्रियाधीन हैं, और जुलाई 2025 के बाद से इसे कोई विस्तार नहीं दिया गया है। इस बात पर ध्यान देते हुए, पीठ ने टिप्पणी की हमारा मानना है कि समिति का कार्य जारी रखना आवश्यक है और इसे 31 जुलाई, 2026 तक का अतिरिक्त समय दिया जाता है। हम समिति से अनुरोध करते हैं कि वह निर्धारित अवधि के भीतर अपनी जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करे। जनजातीय कुकी समुदाय और प्रभावशाली मैतेई समुदाय के बीच बड़े पैमाने पर हुई जातीय हिंसा के बाद मणिपुर में मानवीय सहायता और पुनर्वास प्रयासों की निगरानी के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अगस्त 2023 में एक समिति का गठन किया गया था। इस पूर्णतः महिला समिति में तीन पूर्व उच्च न्यायालय न्यायाधीश शामिल हैं - जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गीता मित्तल; बॉम्बे उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिनी पी जोशी; और दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशा मेनन। समिति को महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, राहत शिविरों में रहने वालों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य और पीड़ितों को मुआवजे के भुगतान जैसे मुद्दों की जांच करने का कार्य सौंपा गया है।

यौन उत्पीड़न के आरोपों में फंसे जनसेना विधायक, पार्टी ने बनाई जांच समिति, सभी कार्यक्रमों से दूर रहने का आदेश

नई दिल्ली एजेंसीः जनसेना पार्टी ने बुधवार को रेलवे कोडूर विधानसभा क्षेत्र से अपने विधायक अरावा श्रीधर के खिलाफ एक महिला सरकारी कर्मचारी द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए एक समिति का गठन किया। पार्टी की राज्य कार्यकारिणी ने आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई है। समिति के सदस्यों में टी. शिवशंकर, ताम्बल्लापल्ली रमादेवी और टी.सी. वरुण शामिल हैं। अराव श्रीधर को सात दिनों के भीतर समिति के समक्ष पेश होकर अपना स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। समिति आरोपों से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच करेगी और पार्टी को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। रिपोर्ट की जांच और अंतिम निर्णय होने तक, यह स्पष्ट

रूप से कहा गया है कि अराव श्रीधर को पार्टी की सभी गतिविधियों से दूर रहना चाहिए। इस बीच, पुलिस ने बुधवार को बताया कि विधायक अराव श्रीधर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, क्योंकि एक महिला सरकारी कर्मचारी ने विधायक पर लगभग डेढ़ साल तक लगातार उत्पीड़न और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया है कि श्रीधर ने शादी के झूठे वादे करके उसे धोखा दिया और लंबे समय तक शारीरिक शोषण और उत्पीड़न किया। अपने बेटे श्रीधर पर लगे आरोपों का जवाब देते हुए, उसकी मां प्रमीला ने आरोपों से इनकार किया और शिकायतकर्ता पर पलटवार करते हुए आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि महिला ने जातिगत पहचान का बहाना बनाकर उनके बेटे के करीब आने का प्रयास किया और धीरे-धीरे उनके घर बार-बार आने लगी। प्रमीला ने आगे आरोप लगाया कि महिला दिन-रात फोन करती रही और बाद में उनसे शादी करने का दबाव डालकर उन्हें ब्लैकमेल किया। इस मामले ने तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जिसमें वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष और एमएलसी वरुदु कल्याणी ने जनसेना विधायक के कथित कृत्यों की निंदा की है। ताडेपल्ली स्थित वाईएसआरसीपी के केंद्रीय कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कल्याणी ने गठबंधन सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रहने और सत्तारूढ़ दल के विधायकों को मनमानी करने की अनुमति देने

अजित पवार को राहुल गांधी की श्रद्धांजलि, बोले- 'ईमानदार नेता खो दिया', खड़गे ने भी जताया दुख

नई दिल्ली एजेंसीः राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका आज सुबह विमान दुर्घटना में निधन हो गया। पवार के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खर्गे ने कहा कि उन्हें एक अनुभवी राजनीतिज्ञ के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने ईमानदारी और सूझबूझ से काम किया। खरगे ने एक्स पर लिखा कि विमान दुर्घटना में अजीत पवार के दुखद निधन की खबर बेहद चौंकाने वाली और बेहद दुखद है। यह एक ऐसे नेता का असामयिक देहांत है जिनका राजनीतिक करियर लंबा और उज्ज्वल था। इस कठिन घड़ी में शोक संतप्त परिवार जिस अपार दुःख से गुजर रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि मैं पूरे पवार परिवार, उनके समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति

अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। महाराष्ट्र की जनता की विभिन्न संवैधानिक पदों पर सेवा करने वाले अजीत पवार को एक अनुभवी राजनीतिज्ञ के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने अपनी जनता के प्रति अपने दायित्वों को ईमानदारी और सूझबूझ से निभाया। उनकी आत्मा को शांति मिले। राहुल गांधी ने आज सुबह मुंबई से बारामती जा रहे चार्टर्ड विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर अजीत पवार और चार अन्य लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया। लोकसभा सांसद ने लिखा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी और उनके सहयात्रियों के आज विमान दुर्घटना में निधन की खबर अत्यंत दुखद है। इस दुःख की घड़ी में मैं महाराष्ट्र की जनता के साथ खड़ा हूँ। इस दुख की घड़ी में मैं पूरे पवार परिवार और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। इससे पहले आज, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कह कि मैं पूरे पवार परिवार और उनके समर्थकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूँ। मैंने अजीत पवार की पत्नी और सुप्रिया जी (सुप्रिया सुले) से बात की है। महाराष्ट्र कांग्रेस सांसद प्रणिति शिंदे ने इस खबर पर गहरा सदमा व्यक्त किया।

अजित दादा के निधन पर फूट-फूटकर रोईं सुप्रिया सुले, आई पहली प्रतिक्रिया

मुंबई एजेंसीः एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर गहरा सदमा और शोक व्यक्त किया और अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में खुद को तबाह बताया। बारामती के पास हुए घातक विमान हादसे की खबर सामने आने के तुरंत बाद सुले ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक शब्द का संदेश पोस्ट किया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री की पत्नी सुनेत्रा पवार और बहन सुप्रिया सुले बारामती पहुंच चुकी हैं, जहां एनसीपी नेता का विमान हादसे का शिकार हुआ। सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष समेत सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस दुखद हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजीत पवार को "जनता का नेता" बताया, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने भी शोक संदेश भेजे। दिवंगत

उपमुख्यमंत्री को याद करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा दादा हमें छोड़कर चले गए! जनता के नेता, धरती से गहरा जुड़ाव रखने वाले, मेरे मित्र और सहकर्मी, उपमुख्यमंत्री अजीतदादा पवार के विमान दुर्घटना में निधन की खबर बेहद दुखद है। यह आत्मा को गहरा आघात है। मन स्तब्ध है। मेरे पास अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा मैंने अपना एक सशक्त और उदार मित्र खो दिया है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। यह ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती।

'एक सशक्त मित्र खो दिया', अजित पवार के निधन पर बोले सीएम फडणवीस, 3 दिन का राजकीय शोक घोषित

मुंबई एजेंसीः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दुखद निधन के कुछ घंटों बाद, राज्य सरकार ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पवार के राज्य और जनता के प्रति योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए तीन दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन हो गया है। राज्य में मातम का माहौल है। उनके जैसे नेता को खोना एक अभूतपूर्व क्षति है। फडणवीस ने कहा कि व्यक्तिगत जीवन में वे मेरे अच्छे मित्र थे। हमने कई चुनौतियों का एक साथ सामना किया। ऐसे समय में जब वे महाराष्ट्र के विकास में योगदान दे रहे थे, उनका असामयिक निधन एक बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार के साथ हैं। मैं एकनाथ शिंदे जी के साथ आज

बारामती जाऊंगा। मैंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इस घटना की जानकारी दे दी है और उन्होंने इस पर दुख व्यक्त किया है। महाराष्ट्र के लिए आज का दिन बेहद कठिन है। ऐसे नेतृत्व को विकसित होने में कई साल लग जाते हैं, और ऐसे समय में जब वे राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे थे, उनका निधन अविश्वसनीय और स्तब्ध करने वाला है। व्यक्तिगत रूप से, मैंने एक सशक्त और उदार मित्र को खो दिया है। यह उनके परिवार के लिए भी एक बहुत बड़ी क्षति है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर कहा कि आज महाराष्ट्र के लिए काला दिन है। ऐसी घटना महाराष्ट्र में घटी है जो हर एक व्यक्ति के दिल को दुखाने वाली है... हम दोनों उपमुख्यमंत्री के रूप में मिलकर काम कर रहे थे और महाराष्ट्र को आगे बढ़ा रहे थे... समय को बहुत ही महत्व देने वाले, कर्मठ नेता, समयसूचकता रखने वाले नेता हमारे बीच नहीं रहे। ये हमारे, महाराष्ट्र और उनके परिवार के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने आगे कहा कि मैं मुख्यमंत्री था तब कई योजनाएं हम तीनों ने मिलकर एक टीम बनकर शुरू की...समाज के लिए

'100% सुरक्षित था विमान', ऑपरेटर ने किया दावा, फिर कैसे हुआ अजित पवार का लियरजेट 45 प्लेन क्रैश?

महाराष्ट्र एजेंसीः महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान लेने वाले विमान हादसे ने एक बार फिर चार्टर एविएशन की सुरक्षा पर बहस छेड़ दी है। जहाँ एक ओर वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (विमान का ऑपरेटर) इसे पूरी तरह सुरक्षित बता रहा है, वहीं दूसरी ओर विमान के पुराने होने और कंपनी के पिछले सुरक्षा रिकॉर्ड पर सवाल उठ रहे हैं। वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित और वीटी-एसएसके के रूप में पंजीकृत यह विमान लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना रिपोर्ट में कहा गया है कि जेट बारामती में दुर्घटनाग्रस्त हुआ और विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं बचा। इसमें पांच लोग सवार थे। अजित पवार, उनके पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर, एक अटेंडेंट, पायलट-इन-कमांड और फर्स्ट ऑफिसर। लीयरजेट 45 एक ट्विन-इंजन वाला हल्का बिजनेस जेट है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर कॉर्पोरेट और वीआईपी यात्रा के लिए किया जाता है। इसका कॉम्पैक्ट आकार और तेज गति इसे छोटे और मध्यम दूरी की उड़ानों के लिए उपयुक्त बनाती है, जिसमें बारामती जैसे क्षेत्रीय हवाई अड्डों की उड़ानें भी शामिल हैं। शुरूआती जानकारी से पता चलता है कि जेट को लैंडिंग के दौरान मुश्किलों का सामना करना

पड़ा, हालांकि घटनाओं के सटीक क्रम की अभी भी पुष्टि की जा रही है। स्थानीय हवाई अड्डे के कर्मचारी और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल दुर्घटना के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंचे और विमान को पूरी तरह से नष्ट पाया, जिसमें किसी के भी जीवित बचने के कोई संकेत नहीं थे। उम्मीद है कि विमानन अधिकारी क्षेत्र को सुरक्षित करेंगे, प्रारंभिक विश्लेषण शुरू करेंगे और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए फ्लाइट डेटा और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर बरामद करेंगे। जांचकर्ता चालक दल के संचार, विमान प्रणालियों और लैंडिंग के समय मौसम की स्थिति की जांच करेंगे। दुर्घटनाग्रस्त जेट एक बॉम्बार्डियर लीयरजेट 45 था,

डीजीसीए वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित और वीटी-एसएसके के रूप में पंजीकृत यह विमान लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना रिपोर्ट में कहा गया है कि जेट बारामती में दुर्घटनाग्रस्त हुआ

जिसका टेल नंबर वीटी-एसएसके और सीरियल नंबर 45-417 था। यह 16 साल पुराना था। यह विमान वीएसआर के बड़े बेड़े का हिस्सा था, जो 17 विमानों का संचालन करता है, जिसमें आज की दुर्घटना में शामिल विमान भी शामिल है। वीएसआर एविएशन का कहना है कि विमान 100% सुरक्षित थावीएसआर वेंचर्स के अधिकारियों ने कहा कि विमान में सुरक्षा से जुड़ी कोई ज्ञात समस्या नहीं थी। इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए, वीएसआर के शीर्ष अधिकारी विजय कुमार सिंह ने कहा कि विमान "100% सुरक्षित" था और चालक दल "काफी अनुभवी" था। उन्होंने कहा कि खराब दृश्यता एक कारण हो सकती है, हालांकि अंतिम फैसला डीजीसीए की जांच के बाद ही आएगा। सिंह ने पुष्टि की कि दुर्घटना में मारे गए दो पायलट सुमित कपूर और शंभवी पाठक थे। उन्होंने कहा, "हमने अपने पायलटों, अपने यात्रियों को खो दिया है।" "यह कंपनी के लिए बहुत मुश्किल समय है।" वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली में स्थित है और इसकी स्थापना अगस्त 2011 में हुई थी। यह कंपनी मुख्य रूप से विजय कुमार सिंह और रोहित सिंह द्वारा चलाई जाती है। यह बिजनेस यात्रा और मेडिवैक ऑपरेशन के लिए चार्टर सेवाएं प्रदान करती है, और खुद को चौबीसों घंटे एविएशन सेवा के रूप में बताती है। कंपनी की जानकारी के अनुसार, श्रफके पास 15 साल से ज्यादा का ऑपरेटिंग अनुभव है, इसमें 60 से ज्यादा पायलट काम करते हैं और यह 99% कस्टमर सैटिस्फैक्शन रेट का दावा करती है। यह नई दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और भोपाल से ऑपरेट करती है।

सम्पादकीय

खौफनाक पढ़ाई

पिछले दिनों फरीदाबाद में ठीक से पढ़ाई न कर सकने वाली बच्ची की पिता द्वारा पिटाई करने से हुई मौत की खबर ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। यह विश्वास करना कठिन है, कोई पिता इतना क्रूर हो सकता है कि महज गिनती न सीख पाने के कारण बच्ची की जान ले ले। यदि इस घटना के पीछे कोई परोक्ष कारण नहीं है तो निश्चय ही यह घटना किसी भी सभ्य समाज के लिये कलंक ही कही जाएगी। यह शर्म की बात ही है कि इस ज्ञान की सदी में किसी बच्ची की पिता के हाथों पढ़ाई के नाम पर मौत हो जाए। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में भी हमारे समाज में मानसिक ग्रंथि की वह गांठ नहीं खुल पाई है, जो मानती है कि डर व मारपीट से बच्चों को सिखाया जा सकता है। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा। लेकिन जब घर में माता-पिता ही हिंसक व्यवहार करने लगें तो मासूम किसके भरोसे रहेगा... कहने को देश में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी हिंसक व्यवहार को रोकने के लिये तमाम तरह के प्रावधान सुरक्षा कवच उपलब्ध कराते हैं। लेकिन जब प्रवर्तन एजेंसियां ही उदासीन रहेंगी तो समस्या का समाधान संभव ही नहीं है। पहले तो स्कूलों में ही ऐसे मामलों पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है, फिर यदि मामला पुलिस या संबंधित विभाग के संज्ञान में आता भी है तो उसे रफा-दफा करने के प्रयास तेज हो जाते हैं। ऐसे मामलों में शिक्षक अभिभावक संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। जिसमें अकसर शिक्षण संस्था के सुर में बोलने वाले अभिभावकों को ही रखा जाता है। आज भी यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। यह हमारे समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज भी यह सोच बलवती है कि बच्चों के साथ सख्त व्यवहार से उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता में वृद्धि होती है। जबकि हकीकत यह है कि किसी भी आक्रामक व्यवहार से बच्चों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देश व दुनिया में हुए तमाम शोध व अध्ययन बताते हैं कि बच्चों के साथ सख्त व आक्रामक व्यवहार किए जाने से बच्चों की एकाग्रता व याद्दाश्त पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

चिंतन-मनन

जीना और मरना

जिस भांति हम जीते हैं, उसे जीवन नाममात्र को ही कहा जा सकता है। हमे न जीवन का पता है; न जीवन के रहस्य का द्वार खुलता है। न जीवन के आनंद की वष्रा होती है; न हम यह जान पाते हैं कि हम क्यों जी रहे हैं, किसलिए जी रहे हैं? हमारा होना करीब-करीब न होने के बराबर होता है। किसी भांति अस्तित्व ढो लेते हैं, जीवित रहते हुए मुर्दे की भांति। लेकिन ऐसा भी होता है कि मरते क्षण में भी कोई जीवंत होता है कि उसकी मृत्यु को भी हम मृत्यु नहीं कहते। बुद्ध की मृत्यु को हम मृत्यु नहीं कह सकते हैं और अपने जीवन को हम जीवन नहीं कह पाते हैं। कृष्ण की मृत्यु को मृत्यु कहना भूल होगी। उनकी मृत्यु को हम मुक्ति कहते हैं। उनकी मृत्यु को हम जीवन से और महाजीवन में प्रवेश कहते हैं। उनकी मृत्यु के क्षण में कौन-सी प्रांति घटित होती है, जो हमारे जीवन के क्षण में भी घटित नहीं हो पाती। किस मार्ग से वे मरते हैं कि परम जीवन को पाते हैं।

और किस मार्ग से हम जीते हैं कि जीवत रहते हुए भी हमें जीवन की कोई सुगंध का भी पता नहीं पड़ता है। जिसे हम शरीर कहें, वह हमारे लिए कब्र से ज्यादा नहीं है, एक चलती-फिरती कब्र। और यह लंबा विस्तार जन्म से लेकर मृत्यु तक, बस आहिस्ता-आहिस्ता मरते जाने का ही काम करता है। ऐसे रोज-रोज और मौत के करीब पहुंचते हैं। हमारी सारी यात्रा मरघट पर पूरी हो जाती है। जीने का सब कुछ निर्भर है जीने के ढंग पर और मरने का भी सब कुछ निर्भर है मरने के ढंग पर। हमें जीने का ढंग भी नहीं आता। बुद्ध जैसे व्यक्ति को मरने का ढंग भी आता है। कृष्ण ने कहा है, ।हे अजरुन, जिस काल में शरीर त्यागकर गए योगीजन, पीछे न आने वाली गति और पीछे आने वाली गति को भी प्राप्त होते हैं, उस काल को, उस मार्ग को मैं तुमसे कहूंगा। इसमें दो-तीन बातें समझ लेनी चाहिए। जिस काल में, जिस क्षण में। बड़ा मूल्य है क्षण का, बड़ा मूल्य है काल का। उस क्षण का जिसमें कोई व्यक्ति मृत्यु को उपलब्ध होता है। हमारे भीतर भी एक घड़ी है और भीतर भी क्षणों का हिसाब है। भीतरी घड़ी के उस क्षण में-बहुत कुछ निर्भर होता है। क्योंकि जगत में आकस्मिक कुछ भी नहीं है। मृत्यु भी बहुत कारणों से सुनिश्चित है और मृत्यु देखकर कहा जा सकता है कि व्यक्ति कैसे जिया। यदि भीतर की घड़ी, भीतर का समय विचार से भरा हो, वासना से भरा हो, कामना से भरा हो, तो व्यक्ति मरकर वापस लौट आता है। लेकिन भीतर का समय शुद्ध हो, कोई कामना नहीं, तृष्णा का सूत्र नहीं, शुद्ध क्षण हो तो उस क्षण में मरा हुआ व्यक्ति संसार में लौटकर नहीं आता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

साहसी पत्रकारिता से आधुनिक मीडिया तक

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 29 जनवरी को भारतीय समाचार पत्र दिवस (इंडियन न्यूजपेपर डे) के रूप में मनाया जाता है। यह दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 29 जनवरी 1780 को भारत का पहला समाचार पत्र 'हिक्की का गजट', जिसे 'हिक्कीज बंगाल गजट' के नाम से भी जाना जाता है, कोलकाता से प्रकाशित हुआ था। यही कारण है कि इस ऐतिहासिक शुरूआत की स्मृति में 29 जनवरी को भारतीय समाचार पत्र दिवस मनाया जाता है। बहुत से पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अखबार न केवल भारत का, बल्कि पूरे एशिया का पहला मुद्रित (प्रिंटेड) समाचार पत्र था। इसका आधिकारिक नाम 'द बंगाल गजट' अथवा 'कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर' था। इसके संस्थापक, लेखक और प्रकाशक थे-जेम्स ऑगस्टस हिक्की। अपनी बेबाक पत्रकारिता, तीखी टिप्पणियों और स्वतंत्र सोच के कारण यह अखबार आम लोगों के बीच 'हिक्की गजट' के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

यदि इस दिवस के महत्व की बात करें, तो भारतीय समाचार पत्र दिवस स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करता है। यह दिवस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र की मजबूती और समाज को जागरूक करने में मीडिया की भूमिका का प्रतीक है। दूसरे शब्दों में कहें तो 29 जनवरी पत्रकारिता के इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्यों को नमन करने का दिन है। अब यदि हम बंगाल गजट की विशेषताओं पर नजर डालें, तो यह अखबार उस दौर में साप्ताहिक रूप से (हर शनिवार) प्रकाशित होता था। इसकी कीमत एक रुपया थी, जो उस समय के हिसाब से काफी महंगी मानी जाती थी। इस अखबार की सबसे बड़ी पहचान उसका सरकार-विरोधी रुख था। उपलब्ध जानकारियों के अनुसार, जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने इसकी शुरूआत से ही ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के भ्रष्टाचार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया था।अखबार के शीर्ष पर छपा वाक्य अपने आप में इसकी विचारधारा को स्पष्ट करता है-एक साप्ताहिक राजनीतिक और व्यापारिक पत्र, जो सभी पक्षों के लिए खुला है, लेकिन किसी के प्रभाव में नहीं है। यह कथन अपने आप में स्वतंत्र पत्रकारिता का घोषणापत्र था।

यह कहना भी गलत नहीं होगा कि बंगाल गजट जितना साहसी था, उतना ही विवादास्पद भी। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह अखबार केवल पारंपरिक 'न्यूज पेपर' नहीं था, बल्कि इसमें उस दौर के गॉसिप कॉलम भी प्रमुखता से छपते थे। हिक्की ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों के भ्रष्टाचार, प्रेम संबंधों, निजी पार्टियों और सत्ता के दुरुपयोग से जुड़ी चटपटी व सनसनीखेज खबरें प्रकाशित करते थे। जब हिक्की ने तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स और उनकी पत्नी पर टिप्पणी करते हुए भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, तो ब्रिटिश सरकार बौखला गई। परिणामस्वरूप, हिक्की को जेल भेज दिया गया। लेकिन पत्रकारिता के इतिहास में यह एक अनोखा उदाहरण है कि हिक्की ने जेल के भीतर से भी अखबार लिखना और छपवाना जारी रखा, जब तक कि अंततः अंग्रेजों ने उनका प्रिंटिंग प्रेस ही जब्त नहीं कर लिया। हिक्की के लिए 'आजादी' का अर्थ केवल भारत की आजादी नहीं था, बल्कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (फ्रीडम ऑफ स्पीच) और ब्रिटिश सत्ता की तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे थे। इस दृष्टि से वे अपने समय के 'एंटी-एस्टेब्लिशमेंट पत्रकार' कहे जा सकते हैं।

बंगाल गजट में प्रकाशित होने वाले विज्ञापन भी अपने आप में बेहद रोचक और उस दौर की सामाजिक सच्चाइयों को उजागर करते थे। इनमें गुमशुदा कुत्तों, बिकने वाले दासों (जो उस समय की कड़वी हकीकत थी), तथा यूरोप से आए ताजा पनीर और शराब जैसे विज्ञापन प्रमुखता से छपते थे।अपनी तीखी लेखनी के कारण हिक्की ने वारेन हेस्टिंग्स से गहरी दुश्मनी मोल ले ली। अंततः मार्च 1782 में ब्रिटिश सरकार ने उनका प्रिंटिंग प्रेस जब्त कर लिया और मात्र दो वर्षों के भीतर यह ऐतिहासिक अखबार बंद हो गया। हिक्की जैसे साहसी पत्रकार का अंत अत्यंत दुखद रहा। प्रेस जब्त होने के बाद वे पूरी तरह कंगाल हो गए। माना जाता है कि उनकी मृत्यु एक जहाज पर हुई और उनके पास अंतिम संस्कार तक के पैसे नहीं थे।

आज यदि हम वर्तमान समय में समाचार पत्रों की भूमिका पर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट होता है कि समाचार पत्र मनुष्य के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज का दर्पण होते हैं। समाचार पत्र राजनीति, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक, कृषि, व्यापार, खेल, अनुसंधान, अंतरिक्ष, बैंकिंग और सामाजिक विषयों पर गहन, तथ्यपरक और विश्लेषणात्मक सामग्री प्रदान करते हैं। साथ ही बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष सामग्री उन्हें बहुआयामी बनाती है।

आज भले ही हम एआई और सोशल मीडिया-जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), व्हाट्सएप और यूट्यूब के युग में जी रहे हों, फिर भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। डिजिटल माध्यम जहां त्वरित सूचना देते हैं, वहीं समाचार पत्र घटनाओं की पृष्ठभूमि, विश्लेषण और निष्कर्ष प्रस्तुत करते हैं। इसके अलावा, सुबह की चाय के साथ अखबार पढ़ने का अनुभव आज भी अपने आप में खास है।

इसी महत्व को समझते हुए हाल के वर्षों में हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों ने स्कूलों में अखबार पढ़ने को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पहले हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्कूलों की प्रार्थना सभा में अखबार पढ़ने की व्यवस्था की और अब उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी बेसिक और सैकेंडरी सरकारी स्कूलों में इसे अनिवार्य कर दिया है। इसका उद्देश्य बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करना, सामान्य ज्ञान बढ़ाना और आत्मविश्वास के साथ बोलने की क्षमता को सशक्त करना है।

यदि हम अंत में हिक्की के बंगाल गजट और आज के अखबार युग की तुलना करें, तो यह कहना अनुचित नहीं होगा कि बंगाल गजट शब्दों की पहली चिंगारी था। तब संसाधन सीमित थे, पाठक कम थे, लेकिन साहस असीम था। आज तकनीक उन्नत है, पहुंच व्यापक है, लेकिन भूमिका वही है-सत्ता से सवाल करना, समाज को जागरूक करना और लोकतंत्र की निगरानी करना।अखबार तब भी सच का आईना था, और आज भी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूजीसी के नए इक्विटी नियम, सामाजिक न्याय और आशंकाओं के बीच संतुलन की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

उच्च शिक्षा किसी भी लोकतांत्रिक समाज की रीढ़ होती है। विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाली संस्थाएं नहीं होते, बल्कि वे ऐसे मंच होते हैं जहां समान अवसर, विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य आकार लेते हैं। भारत जैसे विविधता से भरे देश में यह सवाल हमेशा से प्रासंगिक रहा है कि क्या हमारे शैक्षणिक परिसरों में सभी छात्रों को समान सम्मान और अवसर मिल पाते हैं। इसी पृष्ठभूमि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए गए नए नियम ह्यप्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 सामने आए हैं। इन नियमों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से जाति आधारित भेदभाव को रोकना और वंचित वर्गों को संरक्षण देना बताया गया है। लेकिन इन्हीं नियमों को लेकर देश के कई हिस्सों में तीखा विरोध भी देखने को मिल रहा है। यह विरोध केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि इसमें छात्रों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों की वास्तविक आशंकाएं भी जुड़ी हुई हैं।

सरकार और यूजीसी का तर्क यह है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव की घटनाएं कोई कल्पना नहीं हैं। बीते एक दशक में सामने आई कुछ दर्दनाक घटनाओं ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप करने में विफल रहा। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बाद नियमों को सख्त करने की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसका मकसद जवाबदेही तय करना और यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी छात्र को जाति के आधार पर अपमान, उपेक्षा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस दृष्टि से हर कॉलेज में ईक्वल अपॉर्च्युनिटी सेंटर, इक्वलिटी कमेटी और निगरानी तंत्र बनाने का प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए एक औपचारिक मंच उपलब्ध कराती है, जो अब तक शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे हैं या जिनकी आवाज दबा दी जाती थी।

सरकार का यह भी कहना है कि नियमों में सख्ती इसलिए जरूरी है क्योंकि केवल सलाह या दिशानिर्देश पर्याप्त साबित नहीं हुए। पहले के नियमों में दंड का अभाव था, जिसके कारण कई संस्थानों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। नए प्रावधानों में ग्रांट रोकने या मान्यता रद्द करने जैसे कठोर कदम शामिल कर यह संदेश दिया गया है कि जातीय भेदभाव को अब हल्के में नहीं लिया जाएगा। इस तर्क में एक हद तक दम है, क्योंकि किसी भी कानून या नियम की प्रभावशीलता उसके पालन से जुड़ी होती है, और पालन अक्सर दंड के भय से ही सुनिश्चित होता है।

लेकिन दूसरी ओर, इन नियमों को लेकर जो विरोध सामने आया है, उसे केवल पूर्वाग्रह या राजनीतिक उकसावे का परिणाम मान लेना भी उचित नहीं होगा। जनरल कैटेगरी के छात्रों और कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि नियमों की भाषा और संरचना असंतुलित है। भेदभाव की परिभाषा में केवल कुछ वर्गों को पीड़ित के रूप में चिन्हित किया गया है, जबकि जनरल कैटेगरी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इससे यह संदेश जाता है कि एक वर्ग को संभावित अपराधी और दूसरे को संभावित पीड़ित के रूप में पहले से ही तय कर दिया गया है। किसी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था में यह धारणा स्वयं में समस्या पैदा कर सकती है।

सबसे अधिक चिंता झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के संदर्भ में जताई जा रही है। प्रारंभिक ड्राफ्ट में गलत शिकायत करने पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम नियमों से हटा दिया गया। आलोचकों का तर्क है कि इससे नियमों का दुरुपयोग आसान हो जाएगा। शिक्षा संस्थान पहले ही आंतरिक राजनीति, गुटबाजी और व्यक्तिगत टकरावों से अछूते नहीं हैं। ऐसे माहौल में यदि शिकायतकर्ता पर कोई जवाबदेही न हो, तो निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। हालांकि यह भी सच है कि झूठी शिकायतों की आशंका के कारण वास्तविक पीड़ितों को न्याय से वंचित करना भी गलत होगा। यहां संतुलन की आवश्यकता थी, जिसे नियमों में स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं किया गया।

इक्वलिटी कमेटी की संरचना भी विवाद का विषय बनी है। इसमें एसवी,, एसटी, ओबीसी महिलाएं और दिव्यांगों को शामिल करना सामाजिक प्रतिनिधित्व की दृष्टि से सही कदम माना जा सकता है, लेकिन जनरल कैटेगरी के किसी सदस्य का अनिवार्य न होना कई सवाल खड़े करता है। विविधता का उद्देश्य केवल वंचित वर्गों की उपस्थिति नहीं, बल्कि सभी दृष्टिकोणों को स्थान देना होता है। यदि किसी वर्ग को पूरी तरह बाहर रखा गया, तो कमेटी के फैसलों पर एकतरफापन का आरोप लगना स्वाभाविक है। यह स्थिति न केवल अविश्वास पैदा कर सकती है, बल्कि नियमों की वैधता को भी कमजोर कर सकती है।

कॉलेज प्रशासन की भूमिका भी इन नियमों के बीच जटिल हो गई है। 24 घंटे में मीटिंग और तय समयसीमा में कार्रवाई जैसे प्रावधान त्वरित न्याय के इरादे से बनाए गए हैं, लेकिन व्यवहारिक स्तर पर यह दबाव पैदा कर सकते हैं। शिक्षण संस्थान केवल अनुशासनात्मक ढांचे नहीं होते, वे अकादमिक निर्णय भी लेते हैं, जिनमें समय, विचार और परामर्श की जरूरत होती है। यदि हर निर्णय पर सजा का भय मंडराएगा, तो यह आशंका है कि कॉलेज मेरिट के बजाय जोखिम से बचने की नीति अपनाएं। इससे शिक्षा की गुणवत्ता और स्वायत्तता दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

एक और महत्वपूर्ण सवाल यूसीजी के अधिकार क्षेत्र को लेकर उठाया जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि यूजीसी एक्ट 1956 मुख्य रूप से अकादमिक मानकों और वित्तीय सहायता तक सीमित है, और जातीय उत्पीड़न जैसे सामाजिक मुद्दों पर सीधे नियम बनाना उसके अधिकार से बाहर है। यह एक संवैधानिक और कानूनी बहस का विषय है, जिस पर अंतिम निर्णय न्यायपालिका ही करेगी। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाएं यह संकेत देती हैं कि यह मुद्दा केवल नीतिगत नहीं, बल्कि मौलिक अधिकारों से भी जुड़ा हुआ है।

इन सभी तर्कों के बीच यह मानना जरूरी है कि समस्या एकतरफा नहीं है। सरकार यदि गलत है तो इसलिए नहीं कि वह भेदभाव रोकना चाहती है, बल्कि इसलिए कि नियमों के निर्माण में संतुलन और सभी हितधारकों के विश्वास को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। वहीं छात्र यदि सही हैं तो इसलिए नहीं कि वे सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं, बल्कि इसलिए कि वे निष्पक्षता, समानता और दुरुपयोग से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। दोनों पक्षों की चिंताओं में सच्चाई का अंश मौजूद है।

आवश्यकता इस बात की है कि नियमों को संवाद के माध्यम से और अधिक परिष्कृत किया जाए। झूठी शिकायतों के लिए स्पष्ट और निष्पक्ष प्रावधान जोड़े जा सकते हैं, कमेटियों की संरचना में सभी वर्गों का संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सकता है और समयसीमा को व्यवहारिक बनाया जा सकता है। इससे न केवल वंचित छात्रों को सुरक्षा मिलेगी, बल्कि जनरल कैटेगरी के छात्रों का भरोसा भी कायम रहेगा। अंततः शिक्षा का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, न कि नए विभाजन पैदा करना। यदि यूसीजी के नए नियम इस भावना के साथ लागू होते हैं कि हर छात्र समान सम्मान का हकदार है और हर आरोप की निष्पक्ष जांच जरूरी है, तो वे वास्तव में ऐतिहासिक साबित हो सकते हैं। लेकिन यदि आशंकाओं को नजरअंदाज किया गया, तो यह सुधार विवाद और अविश्वास की भेंट चढ़ सकता है। सामाजिक न्याय और निष्पक्षता के बीच संतुलन ही इस पूरे विवाद का मूल समाधान है।

सरल नहीं पर प्रभावशाली थे, आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग-अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती।

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है।

अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है।

देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया।

2023 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी। यही कारण है कि वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे और समर्थकों के भरोसे का केंद्र भी बने। वह जानते थे कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन प्रभाव बनाया जा सकता है। उन्होंने वही किया। विभिन्न लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मैंने खुद देखा कि वह समर्थकों और कार्यकताओं के कितने करीब रहते हैं और सबकी बातें ध्यान से सुनते हैं। यही कारण था कि बारामती में खासतौर पर अजित दादा के नाम का बोलबाला हर जगह देखने को मिलता है।

आज जब उनका जाना अचानक और असमय हुआ है, महाराष्ट्र की राजनीति एक खालीपन महसूस कर रही है। यह खालीपन सिर्फ पद का नहीं, उस अनुभव का है जो दशकों में गढ़ा जाता है। आने वाले समय में यह सवाल और तीखा होगा कि क्या कोई नेता सहकार से सत्ता तक के इस रास्ते को फिर उसी धार और दृढ़ता से तय कर पाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अजित पवार की विरासत विरोधाभासों से भरी रही, लेकिन शायद यही उनकी सच्ची पहचान भी है। वह सरल नहीं थे, पर प्रभावशाली थे। वह आदर्शवादी नहीं थे, पर निर्णायक थे। और इसी वजह से महाराष्ट्र की राजनीति में उनका नाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

नंगलिया मुंशी में हिंदू सम्मेलन का आयोजन, महामंडलेश्वर ने दिया एकता का संदेश

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघक के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा हरे शताब्दी वर्ष को लेकर क्षेत्र के गांव नंगलिया मुंशी स्थित सरस पैलेस में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें समाज को नई दिशा देने और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ताओं ने सामाजिक कुरीतियों को त्यागकर राष्ट्र हित में एकजुट होने का आह्वान किया।
सम्मेलन के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी प्रेमानंद महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की उन्नति तभी संभव है जब हम अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़े रहें। उन्होंने सामाजिक समरसता पर विशेष बल देते हुए कहा कि जाति-पाति के भेदभाव को भुलाकर एक सशक्त समाज का निर्माण करना ही आज की महती आवश्यकता है। महाराज ने पर्यावरण संरक्षण को धार्मिक कर्तव्य बताते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। विशिष्ट अतिथि विभाग प्रचारक संभल शरद कुमार और विहिप के विभाग संगठन मंत्री गौरव कुमार ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक मजबूती के लिए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग अनिवार्य है। वक्ताओं ने उपस्थित जनसमूह को जागरूक करते हुए कहा कि हमें केवल अपने अधिकारों की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन भी पूरी निष्ठा से करना चाहिए। सम्मेलन की अध्यक्षता कृष्ण कुमार शर्मा ने की और कार्यक्रम का सफल संचालन रूपचंद चौहान द्वारा किया गया। आयोजन के दौरान वक्ताओं ने समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर राष्ट्र की तरक्की में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सचिन कुमार तहसील प्रचारक, सीता आर्या, करन सिंह, खड़क सिंह, टेकचंद चौहान, नरेंद्र चौहान, टिंकू चौहान, महिपाल सिंह,मा छत्रसिंह सैनी, मुरारी प्रजापति, रज्जन सिंह बाल्मीकि, रामरतन जाटव, कमल ठाकुर, उमेश सैन, बलवंत सिंह, वीर सिंह, संजीव चौहान,ओमवीर आदि मौजूद रहे

अमरोहा एसपी ने किया डिडौली आईटीसी का निरीक्षण

रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बुधवार को डिडौली कोतवाली कैंपस का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने रिक्रूटर्स ट्रेनिंग सेंटर (आरटीसी) में चल रहे आरक्षियों के प्रशिक्षण की गहन समीक्षा की ओर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा एसपी अमित कुमार आनंद ने क्लासरूम, कंप्यूटर लैब और अन्य प्रशिक्षण सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया उन्होंने प्रशिक्षण से संबंधित आवास ,भोजन और अनुशासन जैसी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने निरीक्षण के दौरान रिक्रूट आरक्षियों से सीधा संवाद स्थापित किया उन्होंने आरक्षियों का उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने अनुशासन कर्तव्यनिष्ठा और जन सेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य भावी पुलिस कर्मियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनके प्रशिक्षण को उच्च मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करना रहा।

जनपद न्यायालय में 22 फरवरी 2026 को बृहद मेगा शिविर का होगा आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक के निर्देश अनुसार बुधवार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक बैठक आहूत की गई आहूत बैठक का संचालन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभिषेक कुमार व्यास द्वारा किया गया। आहूत बैठक में राइस अहमद अपर सांख्यिकी अधिकारी, विपिन त्यागी अपर इंजीनियर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त, वरुण अग्रवाल अपर कमिश्नर कोऑपरेटिव अतुल देव जस समाज कल्याण विभाग धर्मेंद्र कुमार जस दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी उपस्थित अधिकारी गण व कर्मचारियों को बृहद मेगा शिविर का प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया और बताया गया कि जनपद न्यायालय में 22 फरवरी 2026 को बृहद मेगा शिविर को आयोजित किया जाएगा। जिसमें आम जानकी शिकायतों को निस्तारण किया जाएगा तथा सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्यायालय द्वारा जारी किए गए आदेश अनुसार बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर भी प्रकाशित किया जाएगा। और बताया गया कि भारत में बाल विवाह व अनैतिक और अवैध प्रथम है। जिसमें लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम और लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम होने पर उनका विवाह कर दिया जाता है। यह मानव अधिकारी का उल्लंघन और एक गंभीर अपराध है। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत इसके लिए कठोर कारावास और जर्मन का प्रावधान है। साथ ही यह लड़कियों की शिक्षा और स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचता है। उपस्थित सभी विभागों को बाल विवाह का प्रचार प्रसार करने के लिए निर्देशित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च 2026 पर भी प्रकाश डाला गया है। और लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित करने व प्रचार प्रसार करने के लिए निर्देशित किया गया साथ ही नालसा टोल फ्री नंबर 15100 पर भी जानकारी प्रदान कर प्रचार-प्रसार हेतु विभव को निर्देशित किया गया है

धनौरा सीएचसी का डिप्टी सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को डिप्टी सीएमओ डॉ.सतीश भास्कर औचक निरीक्षण करने पहुंचे, जिससे सीएचसी स्टाफ में हलचल मच गयी।इस दौरान डिप्टी सीएमओ ने मंडी धनौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत को परखा। हालांकि जांच के दौरान सभी व्यवस्थाएं मनको के अनुरूप पाईं गईं ,जिस पर डिप्टी सीएम ने सराहना व्यक्त की। बता दें कि डॉ. सतीश भास्कर ने दोपहर में अस्पताल पहुंचकर सबसे पहले उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया, जहां सभी चिकित्सक और कर्मचारी उपस्थित पाए गए। इसके उपरांत उन्होंने ओपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण केंद्र और वार्डों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही दवाओं और सुविधाओं पर प्रतिक्रिया भी ली।निरीक्षण में डिप्टी सीएमओ को अस्पताल परिसर में उत्कृष्ट साफ-सफाई मिली। दवाओं के स्टॉक की जांच में पाया गया कि सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। मरीजों द्वारा बाहर से दवा लिखने की कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई। डॉ. भास्कर ने इस दौरान कहा, अस्पताल की व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं। हमारा लक्ष्य है कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुंचे।"इस निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएमओ के साथ अभिषेक वर्मा, विनोद कुमार, शैली यादव और डॉ. कुलदीप शर्मा भी मौजूद रहे। टीम ने अस्पताल के अन्य तकनीकी पहलुओं और अभिलेखों का भी गहनता से अवलोकन किया। निरीक्षण के समापन पर, डिप्टी सीएमओ ने स्टाफ को निर्देश दिए कि वे इसी सेवा भाव से कार्य करते रहें और मरीजों के साथ विनम्र व्यवहार करें।

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत कैमरों की स्थापना,पुलिस द्वारा नागरिक सहभागिता का किया गया उत्साहवर्धन

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान को थाना आदमपुर क्षेत्र में प्रभावी रूप से प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आगे बढ़ाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर अपराधों की रोकथाम करना तथा संभावित घटनाओं को घटित होने से पूर्व ही नियंत्रित करना है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा सकती है, जिससे बाहरी अथवा असामाजिक तत्वों द्वारा किसी भी आपराधिक घटना को अंजाम देने की संभावना न्यूनतम हो जाती है। ज्ञात रहे कि कि इससे पहले भी थाना आदमपुर पुलिस द्वारा कस्बा आदमपुर, प्रमुख हॉस्पिटलों, प्रमुख चौराहों एवं अन्य ग्रामों में सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जा चुके हैं, जो अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस सराहनीय पहल के लिए स्थानीय नागरिकों द्वारा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने वाले नागरिकों को सम्मानित किया गया तथा उनका उत्साहवर्धन किया गया । अंत में आमजन से अपील की गई कि कस्बा एवं ग्रामों के मुख्य चौराहों तथा आने-जाने वाले मार्गों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जाएं, ताकि क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी की पात्र मतदाताओं से अपील अपना नाम शामिल, संशोधन करने के लिए भरें फॉर्म

अमरोहा (सब का सपना):- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्प्रति विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत 27 जनवरी तक प्राप्त फार्म-6, 7, 8 का विवरण एवं 31 जनवरी (शनिवार) को प्रत्येक बूथ पर आयोजित होने वाले विशेष अभियान दिवस एवं 01 फरवरी (रविवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित न किये जाने के संबंध में अवगत कराया गया। बैठक में समस्त राजनैतिक दलों को दावे और आपत्तियों से संबंधित फार्म-9, 10, 11, 11अ व 11इ की सूचियाँ भी उपलब्ध करायी गयीं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य चल रहा है। विशेष अभियान दिवस के तहत 31 जनवरी को चारों जनपद की चारों विधानसभाओं के सभी बूथ पर मतदाताओं की उपस्थिति में आलेख्य प्रकाशित निर्वाचक नामावलियों एवं ए०एस०डी०डी० सूची को पढ़कर सुनाया जायेगा। इस दौरान प्रत्येक मतदेय स्थल पर आलेख्य मतदाता सूची (Draft Electoral Roll) ए०एस०डी०डी० सूची के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में फार्म-6, फार्म-7, फार्म-8 एवं घोषणा-पत्र Declaration Form, अनुलग्नक-IVकी उपलब्धता रहेगी तथा अर्ह नागरिकों से भरे हुए फार्म प्राप्त किये जायेंगे। निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 में दिनांक 06 जनवरी से दिनांक 06 फरवरी तक दावे और आपत्तियों से संबंधित फार्म प्राप्त करने की अवधि नियत है। उन्होंने कहा कि आलेख्य निर्वाचक नामावली पढ़े जाने संबंधी कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित किया जाना है कि आलेख्य प्रकाशित नामावली में यदि कोई कमी प्रदर्शित हो रही है, तो उस कमी को दूर करने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही इस अवधि में की जा सके। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समावेशी निर्वाचक नामावली तैयार करने की प्रक्रिया के तहत यह कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने जनपद के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि यदि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो वे अपना नाम शामिल कराने के लिए, संशोधन कराने के लिए उचित फॉर्म भरें। डीईओ ने जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि 31 जनवरी (शनिवार) को प्रत्येक बूथ पर आयोजित कार्यक्रम में अपने दल से संबंधित बूथ लेवल एजेण्ट्स (बी०एल०ए०) को उपस्थित होने के संबंध में अवगत करा दें।
बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, जिला महामंत्री भाजपा चंद्रभान सिंह, प्रतिनिधि समाजवादी पार्टी ऋषिपाल सिंह यादव, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि बसपा जफर महमूद अब्बासी, प्रतिनिधि आम आदमी पार्टी औसाफ खान सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एआरटीओ प्रवर्तन ने यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले 76 वाहनों के काटे चालान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह के दौरान परिवहन विभाग द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा के नेतृत्व में नेशनल हाईवे पर विशेष कार्रवाई की गई, जिसमें हाईवे के किनारे अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों और हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) न लगाने वाले वाहनों पर सख्ती बरती गई। अधिकारियों के अनुसार, नेशनल हाईवे पर अवैध पार्किंग से अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं, क्योंकि खड़े वाहन यातायात में बाधा बनते हैं। साथ ही, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट न होने से दुर्घटना में शामिल वाहनों की पहचान मुश्किल हो जाती है। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार ऐसे मामलों में सख्त प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।इस अभियान में मुरादाबाद बॉर्डर से ब्रजघाट गढ़मुक्तेश्वर तक हाईवे के किनारे खड़े 92 वाहनों को हटवाया गया। इसके बाद प्रवर्तन टीम ने 25 वाहनों के खिलाफ अवैध पार्किंग के लिए चालान काटे। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट न लगाने के आरोप में 22 वाहनों पर कार्रवाई की गई।इसके अतिरिक्त, हेलमेट न पहनने, सीट बेल्ट न लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने और गलत दिशा में वाहन चलाने जैसे अन्य उल्लंघनों में कुल 76 वाहनों के चालान जारी किए गए।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जारी रहेगा। जनता से अपील की गई है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, ताकि दुर्घटनाओं में कमी आए और सभी सुरक्षित यात्रा कर सकें।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) कार्यक्रम के तहत महत्वपूर्ण गतिविधियां जारी हैं। सदर तहसील के उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने अमरोहा विकासखंड कार्यालय के सभागार में विधानसभा अमरोहा के 41 क्षेत्र के सभी बूथ लेवल अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में उप जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग तथा उच्च स्तर से प्राप्त निदेर्शों के अनुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने इछड को स्पष्ट निर्देश दिए कि नोटिस का उचित वितरण, प्राप्त साक्ष्यों का संग्रह तथा सुनवाई प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा किया जाए। यह अभियान मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है, जिसमें घर-घर सत्यापन, फॉर्म वितरण, दस्तावेज सत्यापन तथा आपत्तियों का निस्तारण शामिल है। दुबे ने इछड से अपील की कि वे पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें ताकि कोई योग्य मतदाता छूट न जाए और सूची में कोई त्रुटि न रहे। बैठक में इछड ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आने वाली चुनौतियों पर चर्चा हुई। उप जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि कार्यक्रम की सफलता इछड की सक्रियता पर निर्भर है। यह प्रयास लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिला विज्ञान क्लब द्वारा स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन हेतु वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वाधान में जिला विज्ञान क्लब अमरोहा द्वारा आयोजित स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन हेतु वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ए. के. के.इंटर कॉलेज अमरोहा में किया गया । जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा भाषण प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया इस प्रतियोगिता का विषय स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन हेतु वैज्ञानिक जागरूकता रहा । कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी अमरोहा धीरेंद्र प्रताप ने की ।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शशि जैन रही। निर्णायक मंडल मे पुष्पेंद्र यादव, जे एस हिंदू इंटर कॉलेज अमरोहा शाहिद खान ए डब्लू फैज ए आम इंटर कॉलेज अमरोहा, जया सक्सेना शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज अमरोहा रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित शादमन आई एम इंटर कॉलेज अमरोहा, द्वितीय स्थान पर चयनित दीपिका ज्योति शिक्षा सदन इंटर कॉलेज अमरोहा, तृतीय स्थान पर चयनित अनमोल कुंदन मॉडर्न इंटर कॉलेज अमरोहा रहे। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चयनित कनीज फातिमा,आले अहमद कन्या इंटर कॉलेज अमरोहा द्वितीय स्थान चयनित मोहम्मद हरीश। ए के के इंटर कॉलेज अमरोहा तृतीय स्थान चयनित सुबीया मेहताब, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा, स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन पर वैज्ञानिक व्याख्यान में जनपद के विज्ञान अध्यापकों ने प्रतिभा किया मेरठ से आई विज्ञान संचारक अंजली ढाका ने खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच हेतु तथा राजेंद्र कुमार आहुजा ने जल कृषि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शशि जैन ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें इस प्रकार के कार्यक्रमों से प्रेरणा मिलती है कि आज के इस युग में पर्यावरण संरक्षण बहुत आवश्यक है। हमें पर्यावरण की सुरक्षा में अपना योगदान देना चाहिए। अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र प्रताप ने स्वच्छ पर्यावरण और स्वास्थ जीवन की महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा पर्यावरण स्वच्छ होगा तो हमारा जीवन स्वस्थ रहेगा। पर्यावरण संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। प्रधानाचार्य आदिल अब्बासी ने कहा कि पर्यावरण को दूषित होने से बचने के लिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों का विकास होता है, और उनमें आगे बढ़ने की क्षमता उत्पन्न होती है अंत में जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक शाने हैदर ने सभी अतिथियों का अभिवादन और धन्यवाद ज्ञापित किया । मंच का संचालन डॉ प्रीति चौधरी ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला विज्ञान क्लब के कोषाध्यक्ष हुसैन मोहम्मद सह समन्वयक राकेश कुमार ,कलीम उर रहमान खान, अरशद नवाज,अजहर उल हक,रणवीर सिंह यादव, अरशद फारुकी, फखिर गजाली आदि उपस्थित रहे।

हर थाने में मातृत्व-शिशु देखभाल कक्ष, महिला पुलिस को मिली जूपिटर स्कूटी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद पुलिस द्वारा महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश ने डिजिटल माध्यम से संभल के 15 पुलिस थानों में स्थापित मातृत्व एवं शिशु देखभाल कक्षों का विधिवत उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा, डीआईजी मुरादाबाद मुनिराज गोबू, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा सहित टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड एवं राउंड टेबल इंडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इसी क्रम में बुधवार को मुंबई से इंडिया फर्स्ट की टीम – अमरीश महेश्वरी (सीआरओ), रजनीश कुमार (हेड लीगल एंड एफसीयू) एवं मनीष मित्तल (एवीपी लीगल) – जनपद संभल पहुंची। पुलिस लाइन बहजोई में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा की अध्यक्षता में महिला पुलिसकर्मियों के लिए शेष 05 टीवीएस जूपिटर स्कूटी प्रदान की गईं, जो मिशन शक्ति को और सशक्त बनाएंगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में संभल पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय, बहु-करोड़ संगठित बीमा धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था, जो एक दशक से अधिक समय से 12 से अधिक राज्यों में सक्रिय था। इस नेटवर्क में फर्जी बीमा, लक्षित हत्याएं, फर्जी दुर्घटनाएं, आधार डाटाबेस में अवैध परिवर्तन तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना बीमा योजना जैसी सरकारी योजनाओं में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी सामने आई। मामले में 25 से अधिक एफआईआर दर्ज कर 70 से अधिक अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई। 30 जून 2025 को संभल पुलिस द्वारा बीमा क्षेत्र के सभी हितधारकों का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें वित्त मंत्रालय, आईआईबी, आईआरडीएआई, 45 बीमा कंपनियां, अकादमिक संस्थान और जांच एजेंसियों ने सहभागिता की। हाल ही में तीन प्रमुख अभियुक्तों की 11.89 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियां उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट के तहत जब्त की गई हैं। संभल उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा जनपद बन गया है, जहां प्रत्येक पुलिस थाने में मातृत्व एवं शिशु देखभाल कक्ष के साथ-साथ महिला पुलिसकर्मियों के लिए दोपहिया वाहन उपलब्ध कराए गए हैं।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद निवासी एक युवती से मुरादाबाद में एक कंपाउंडर द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले कि यह घटना वर्ष 2011 की बताई जा रही है। युवती ने पुलिस द्वारा कार्यवाही न करने पर कोर्ट की शरण ली, इसके बाद आरोपी के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। बता दें कि जानकारी के मुताबिक गजरौला नगर निवासी युवती वर्ष 2011 में अपनी छत से गिर गई थी, जिससे उसके पैर की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था। परिवार वालों ने उसे उपचार के लिए मुरादाबाद जनपद के छजलैट थाना क्षेत्र स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया था।युवती का आरोप है कि अस्पताल में काम करने वाले कंपाउंडर ने उसे शादी का झांसा दिया। लगभग 20 दिन के उपचार के बाद कंपाउंडर ने युवती को धामपुर में कालागढ़ मार्ग पर स्थित एक अन्य अस्पताल में उपचार कराने की सलाह दी। इस दौरान युवती और कंपाउंडर के बीच फोन पर बातचीत शुरू हो गई।आरोप है कि कंपाउंडर ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके घर आना-जाना शुरू कर दिया और इसी बीच उसके साथ दुष्कर्म किया। जब युवती ने कंपाउंडर से शादी करने के लिए कहा, तो उसने साफ इनकार कर दिया।युवती ने इस घटना की शिकायत पुलिस से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।
न्याय न मिलने से परेशान होकर युवती ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर अब आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।गजरौला प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मुरादाबाद के छजलैट थाना क्षेत्र के संजरपुर गांव निवासी आरोपी नितिन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

डाक लेकर जा रहे पुलिस कर्मी की इलाज के दौरान मौत, मचा कोहराम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र अंतर्गत रजपुराझबहजोई रोड पर ग्राम फरीदपुर खुशहाल के निकट बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में थाना रजपुरा पर तैनात डाक पैरोकार बिकुल देव पुत्र जगपाल सिंह (35) की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बिकुल देव रजपुरा से बहजोई की ओर डाक लेकर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। जैसे ही वह फरीदपुर खुशहाल के पास पहुंचे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना रजपुरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल पुलिसकर्मी को एम्बुलेंस की सहायता से बहजोई सरकारी अस्पताल भिजवाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दुर्भाग्यवश इलाज के दौरान कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने बताया कि मृतक बिकुल देव थाना रजपुरा में डाक पैरोकार के पद पर कार्यरत थे और ड्यूटी के दौरान ही हादसे का शिकार हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा अज्ञात वाहन की तलाश के लिए जांच शुरू कर दी गई है।
मृतक के निधन की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में शोक व्याप्त हो गया। सहकर्मियों ने उन्हें एक कर्तव्यनिष्ठ और मिलनसार कर्मचारी बताया। वहीं परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि हादसे के दोषी वाहन चालक की जल्द पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में 3 परिवारों में हुआ सुलह-समझौता

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक चंदौसी में आयोजित की गई। यह बैठक चंदौसी परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में संपन्न हुई। बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच उत्पन्न पारिवारिक विवादों को आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारित कराने का प्रयास किया गया। काउंसलरों द्वारा कुल 8 पत्रावलियों को सुनकर गंभीरता से परामर्श दिया गया, जिसमें से 3 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इस दौरान 3 परिवारों के बीच आपसी मतभेद समाप्त कर उन्हें पुनः साथ रहने के लिए राजी कराया गया, जिससे परिवारों में खुशी का माहौल देखने को मिला। परामर्श प्रक्रिया के दौरान काउंसलर श्वेता गुप्ता एवं संगीता भार्गव ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर पारिवारिक जीवन की अहमियत बताई और आपसी संवाद से समस्याओं के समाधान पर जोर दिया। इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सुधारानी सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं स्टाफ मौजूद रहा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस परिवार परामर्श केंद्र का मुख्य उद्देश्य टूटते परिवारों को बचाना और आपसी विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाना है, ताकि समाज में पारिवारिक संतुलन बना रहे।

उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप के लिए युवाओं को मिल रही सीड कैपिटल और मार्केटिंग सहायता, सरकार ने मंजूर किए करोड़ों के फंड

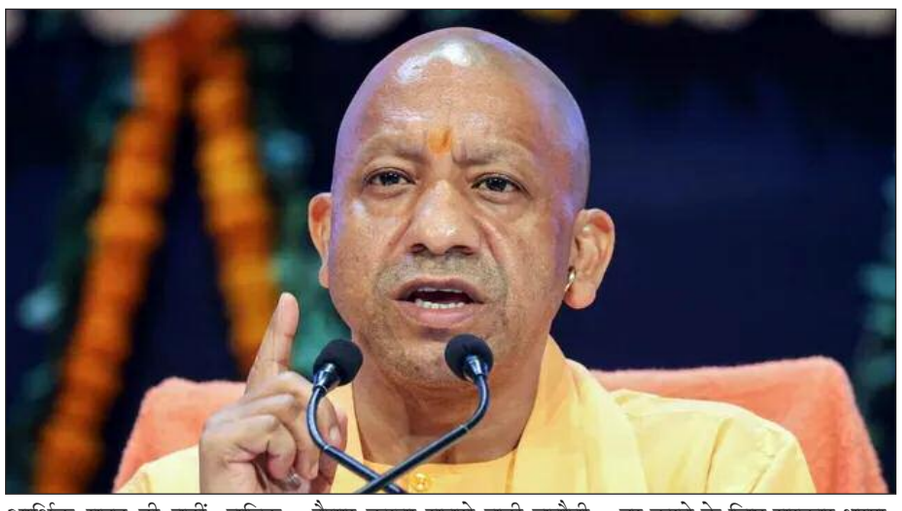

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश का स्टार्टअप हब बनाने की दिशा में योगी सरकार ने अपने प्रयासों को और तेज कर दिया है। नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित 1000 करोड़ के यूपी स्टार्टअप फंड से प्रदेश के युवाओं को बड़ा वित्तीय सहारा मिल रहा है। इस फंड के माध्यम से अब तक 325 करोड़ की राशि स्टार्टअप्स को उनके शुरूआती और विस्तार चरणों के लिए स्वीकृत की जा चुकी है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 19,000 से अधिक स्टार्टअप्स डीपीआईआईटीसे मान्यता प्राप्त हैं, जिनमें से 9600 से अधिक महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप प्रदेश में बदलती उद्यमिता की तस्वीर पेश कर रहे हैं। "स्टार्ट इन यूपी" से मिला इनक्यूबेशन और मेंटरशिप का आधार राज्य सरकार की प्रमुख योजना स्टार्ट इन यूपी के तहत अब तक 3000 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी गई है। इनमें से 900 स्टार्टअप्स का संचालन महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। युवाओं को केवल आर्थिक मदद ही नहीं, बल्कि तकनीकी मार्गदर्शन के लिए 2100 से अधिक स्टार्टअप्स को इनक्यूबेशन सहायता प्रदान की गई है। प्रदेश में वर्तमान में 76 मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटर सक्रिय हैं, जिन्हें सरकार ने 14.80 करोड़ की वित्तीय मदद देकर स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है।

सीड कैपिटल और प्रोटोटाइप विकास के लिए वित्तीय पंख

नए उद्यमियों के लिए बाजार में पहचान बनाना और प्रोटोटाइप तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। इसे आसान बनाने के लिए योगी सरकार ने सीड कैपिटल और मार्केटिंग सहायता के तहत 376 आवेदनों के लिए 26.43 करोड़ की राशि मंजूर की है। इसके अतिरिक्त, नए विचारों को धरातल पर उतारने हेतु प्रोटोटाइप विकास के लिए 74 स्टार्टअप्स को 3.55 करोड़ की सहायता दी गई है।

भत्ता और इंसेंटिव से कम हुआ शुरूआती जोखिम

शुरूआती आर्थिक बाधाओं को दूर करने के लिए सरकार भरण-पोषण भत्ता और इंसेंटिव भी प्रदान कर रही है। अब तक 115 आवेदकों के लिए 2.46 करोड़ का भरण-पोषण भत्ता मंजूर किया गया है, जबकि 566 इंसेंटिव आवेदनों के तहत 32 करोड़ की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है। साथ ही, तकनीक और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मंजूरी दी गई है, जिन पर अब तक 27.18 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं।

मानव विकास जन सेवा समिति ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में संभल गजरौला रेललाइन विस्तार की उठाई गई मांग

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- मानव विकास जन सेवा समिति के कार्यकर्ता डा० नाज़िम के नेतृत्व में बहजोई पहुंचे और संभल से गजरौला रेललाइन विस्तार की मांग को लेकर जिला अधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंशिया को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान डीएम से रेल परियोजना को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। डीएम डॉ. पेंशिया ने कहा कि संभल को रेल की अत्यंत आवश्यकता है और इस मांग को रेल मंत्री तक भेजा जाएगा। समिति के सदस्यों ने डीएम साहब का आभार प्रकट किया। डा० नाज़िम ने कहा कि इस बजट में संभल को रेल परियोजना से काफी उम्मीदें हैं। वहीं मोहसिन अली ने कहा कि रेल यातायात से न केवल संभल बल्कि आसपास के नगरों, गांवों और अमरोहा क्षेत्र को भी बड़ा लाभ मिलेगा। इस मौके पर मा. सफ्दर अल्वी, महावीर सिंह यादव, कैलाश सिंह, गजराज सिंह, फारुख जमाल एड सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शहरी क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था को आसान बनाएंगी 1225 एसी ई बसें

संवाददाता
लखनऊ। नगरीय परिवहन निधि नियमावली 2013 के तहत गठित निधि प्रबंधन समिति की 16वीं बैठक में नगरीय परिवहन व्यवस्था को सुदृढ बनाने से संबंधित कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। 16 नगर निगमों के तहत 272 चिह्नित पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों का भी विकास कराया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने 1225 नई वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें खरीदने का फैसला किया है। साथ ही 16 नगर निगम वाले शहरों में पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने और 15 शहरों में पहले से संचालित इलेक्ट्रिक बसों के लिए कार्बन क्रेडिट प्रोजेक्ट लागू करने का भी फैसला किया गया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उप्र समर्पित नगरीय परिवहन निधि नियमावली 2013 के तहत गठित निधि प्रबंधन समिति की 16वीं बैठक में नगरीय परिवहन व्यवस्था को सुदृढ बनाने से संबंधित कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।
बसों की खरीद के लिए प्रमुख सचिव नगर विकास को अधिकृत किया गया है। प्रस्ताव के अनुसार नई ई बसें वर्तमान में संचालित 1140 डीजल एवं सीएनजी बसों के स्थान पर क्रय की जाएंगी। बसों का आवंटन शहरों में नगरीय परिवहन की जरूरत को देखते हुए किया जाएगा। वाराणसी में ई-बसों की चार्जिंग क्षमता बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 15 शहरों में संचालित इलेक्ट्रिक बसों के लिए कार्बन क्रेडिट प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा। इसके लिए कंसल्टेंट के चयन के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति दी गई। इस परियोजना से उत्सर्जन में कमी का अध्ययन कर कार्बन क्रेडिट का विक्रय किया जाएगा। कार्बन क्रेडिट से होने वाली आय में न्यूनतम शेयर के आधार पर कंसल्टेंट का चयन किया जाएगा तथा इस परियोजना पर निदेशालय पर किसी प्रकार का वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। 16 नगर निगमों में पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई।
इससे संबंधित प्रस्ताव के अनुसार 16 नगर निगमों के तहत 272 चिह्नित पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों का विकास कराया जाएगा।
यूपी में भवन निर्माण व भू उपयोग बदलने की प्रक्रिया होगी सरल प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए भवन निर्माण व भू उपयोग बदलने की प्रक्रिया को सरकार ने और सरल और इसके लिए पुरानी नीतियों व नियमों के चलते आ रही बाधा को दूर किया जाएगा।
प्रमुख सचिव आवास पी गुरु प्रसाद ने इस संबंध के सचिव आवास की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है

संभल में एसआईआर में तेजी, नोटिस पर सुनवाई को उमड़ी भीड़; विधानसभा के मतदाताओं की पेशी जारी

संभल। एसआईआर को लेकर प्रशासनिक प्रक्रिया बेहद तेजी के साथ आगे बढ़ रही है और वर्तमान में अनुपस्थित मतदाताओं को भेजे गए नोटिस पर सुनवाई का कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में जिला मुख्यालय पर स्थित बहजोई विकासखंड परिसर में चंदौसी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न बूथों से निर्गत नोटिसों की सुनवाई सहायक निर्वाचन राष्ट्रीयकरण अधिकारी के द्वारा की जा रही है। हालात यह हैं कि सुबह नौ बजे से ही ब्लाक परिसर में मतदाता अपने-अपने नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने के लिए पहुंचने लगे, जिससे ब्लाक परिसर में भारी भीड़ नजर आई। सुनवाई के दौरान मतदाताओं से अनुपस्थिति से संबंधित तथ्यात्मक जानकारी, आवश्यक दस्तावेज और स्पष्टीकरण प्राप्त किए जा रहे हैं, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अपडेट बनाया जा सके। सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी महेश कुमार ने बताया कि सुनवाई की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है और किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से अनावश्यक रूप से न हटे, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। वहीं, लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती भी की गई है, जिससे सुनवाई सुचारु रूप से संचालित हो सके और मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एसडीएम भी रह गए दंग: अमरोहा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, मंडी सचिव के प्लाट पर भी भू-माफियाओं ने जमाया हक

अमरोहा। जमीन कारोबारियों ने जटीवन के पास ग्राम समाज की भूमि को कब्जाकर प्लाटिंग कर दी। तत्कालीन मंडी सचिव सचिन शर्मा के प्लाट की बुनियाद को उखाड़कर अपनी बुनियाद खड़ी कर दी। उनकी शिकायत मिलने पर एसडीएम सदर शैलेश कुमार दुबे व तहसीलदार विजयश्याम दुबे लेखपालों के साथ मौके पर पहुंच गए। जांच पड़ताल की तो नजारा देखकर दंग रह गए। एसडीएम ने अधीनस्थों को तुरंत प्लाटिंग को तोड़कर ग्राम समाज की जमीन को कब्जामुक्त कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा मंडी सचिव के प्लाट के मामले में उन्होंने अपनी कोर्ट में वाद दायर किया है। जिसके आधार पर कब्जेदारों व मंडी सचिव को अपना-अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे। शहर के मुहल्ला चौक निवासी तत्कालीन मंडी सचिव व मौजूदा सचिव नजीबाबाद मंडी जनपद बिजनौर सचिन शर्मा ने एसडीएम के नाम शिकायती पत्र में कहा है कि गत 24 जुलाई 2024 को उन्होंने हाजी जर्रार अहमद से एक नग प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0.611 हेक्टेयर क्रय किया था। जिसकी बुनियाद उन्होंने कराई थी। यह वर्तमान में गाटा संख्या 231 में है। जो जटीवन के पास है। आरोप है कि सहखातेदार इमरान अली निवासी मुहल्ला चौक व मो.आरिफ निवासी शाह विलायत रोड मुहल्ला लकड़ा ने उसके प्लाट की बुनियाद उखाड़कर अपनी बुनियाद बना दी है। बगैर लेआउट पास कराकर उसमें अवैध प्लाटिंग की जा रही है। रातोंरात मिट्टी का भराव डाला जा रहा है। पत्र में उन्होंने मांग की है कि मामले की जांच कराकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्लाट चह्वत कराया जाए ताकि, वे भवन का मानचित्र पास कराकर निर्माण कार्य करवा सकें। उनके इस शिकायती पत्र का संज्ञान लेते हुए एसडीएम सदर ने तुरंत कार्रवाई की। बुधवार की दोपहर वह अपने साथ तहसीलदार व लेखपालों को लेकर मौके पर पहुंच गए। यहां की स्थिति देखकर चौंक गए। कुछ ग्राम समाज की जमीन पर प्लाटिंग मिली। इस पर उन्होंने तुरंत प्लाटिंग को तोड़कर जमीन कब्जामुक्त कराने के निर्देश अधीनस्थों को दिए। इसके अलावा उन्होंने 228 गाटा से लेकर 232 तक के गाटों की गहनता के साथ पड़ताल करने के लिए कहा है। 16 कब्जेदारों को जारी किए नोटिस, घरों पर भी चस्पाए कस्बा रजबपुर में तालाब की जमीन पर 16 लोगों का कब्जा मिला है। जमीन की पैमाइश टीम कर चुकी है और उसके द्वारा निशान लगाने की कार्रवाई भी की जा चुकी है। एसडीएम सदर ने बताया कि तालाब की जमीन पर पक्के व कच्चे भवन बने हुए हैं। 16 लोग चिन्हित किए गए हैं। जिन्हें नोटिस जारी कर कब्जा खुद ही हटाने के लिए कहा गया है। घरों पर भी नोटिस जारी किए गए हैं। राजस्व टीम ने गांव में जाकर की जांच पड़ताल तहसील क्षेत्र के गांव चक नगली असदुल्लापुर में विजेंद्र सिंह ने आइजीआरएस पोअर्ल पर शिकायत दर्ज कराई थी। जिसकी जांच के लिए क्षेत्रीय लेखपाल व राजस्व निरीक्षक गत 19 जनवरी को गांव में पहुंचे थे। आवेदक के पिता व प्रधान के सामने जांच की थी। इसमें पाया कि जमीन अंबेडकर पार्क के नाम से अंकित है।

चकबंदी कार्य में तेजी लाने के डीएम ने दिए सख्त निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में चकबंदी प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में चकबंदी प्रक्रियाधीन सभी ग्रामों की धारा एवं ग्रामवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि चालू वित्तीय वर्ष में कम से कम पांच गांवों में चकबंदी की प्रक्रिया पूर्ण कर उन्हें चकबंदी से बाहर किया जाए। जिलाधिकारी ने एसओसी चकबंदी को निर्देशित किया कि आगामी वित्तीय वर्ष में शेष 16 ग्रामों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए अधिक से अधिक गांवों को चकबंदी प्रक्रिया से मुक्त करने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि चकबंदी कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए कब्जा परिवर्तन एवं अवैध कब्जों से संबंधित मामलों में संयुक्त टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्य में तेजी लाई जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन गांवों के अंतिम अभिलेख तैयार हो चुके हैं, उन्हें शीघ्र चकबंदी प्रक्रिया से बाहर किया जाए। आपत्तियों के निस्तारण और कब्जा परिवर्तन के मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन स्तर पर चकबंदी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाती है, इसलिए सभी अधिकारी और कर्मचारी समयबद्धता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। बैठक में एसओसी चकबंदी संजय कुमार शर्मा सहित सभी सीओ, एसीओ, कानूनगो और लेखपाल मौजूद रहे।

चांदपुर में टायरों की दुकान से चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए आरोपी

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली चांदपुर क्षेत्र में चोरों ने एक बार फिर व्यापारियों की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी है। बाईपास रोड स्थित रचना टायर्स नामक टायरों की दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए हजारों रुपये की नकदी व सामान चोरी कर लिया। पीड़ित दुकानदार के अनुसार घटना 28 जनवरी की रात करीब 9 बजे के बाद की है। दुकान बंद कर घर जाने के बाद अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और गल्ले में रखी नकदी समेत अन्य सामान समेट ले गए। सुबह दुकान खोलने पर चोरी की जानकारी हुई, जिससे व्यापारी के पैरों तले जमीन खिसक गई। बताया गया कि चोरों की पूरी करतूत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में चोर दुकान में घुसते और सामान समेटते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं, जिससे मामले के जल्द खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है। पीड़ित दुकानदार अजय बंसल ने कोतवाली चांदपुर में लिखित तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के व्यापारियों में रोष और भय का माहौल है। व्यापारियों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को धमकाने का आरोप,मुकदमा दर्ज

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- थानाक्षेत्र के एक गांव में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने गांव के ही एक व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाना शेरकोट में तहरीर दी है। महिलाओं का आरोप है कि जयपाल सैनी पुत्र बाबूराम उनसे आपसी रंजिश रखता है और आए दिन उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। महिलाओं ने बताया कि जयपाल सैनी स्वयं सहायता समूह की मासिक बैठकों में जबरन आ जाता है और वहां गाली-गलौज, अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी देता है। इतना ही नहीं, वह समूह के पैसों की मांग करता है और पैसे न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देता है। पीड़ित महिलाओं के अनुसार आरोपी गांव में कहीं भी मिलने पर उनका रास्ता रोक लेता है और खुलेआम अभद्रता करता है। आरोपी के भय के कारण वे घर से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रही है।तहरीर में सर्वेश कुमारी पत्नी संजीव कुमार, मधुवाला (बुककीपर), राखी, कुसुम देवी, ईशमनाज सहित समूह की अन्य 37 महिलाओं के हस्ताक्षर दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की जा रही है तथा तथ्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चंद्रशेखर गुप्ता की जमानत याचिका विशेष मकोका अदालत से खारिज, लूटी गई लग्जरी कारें बेचता था आरोपी

नई दिल्ली। पटियाला हाउस स्थित विशेष मकोका अदालत ने शरद पांडे गैंग से लूटी गई लग्जरी कारें लेने व बेचने के आरोपित चंद्रशेखर गुप्ता को जमानत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपित पर लगे आरोप गंभीर हैं और उसे जमानत नहीं दी जा सकती। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने कहा कि आरोपित संगठित अपराध सिंडिकेट से जुड़ा हुआ है और दिल्ली-एनसीआर में लग्जरी वाहनों की कार जैकिंग व उनकी बिक्री में उसकी भूमिका रही है। मकोका के तहत जांच के दायरे में आया था गिरोह जांच में सामने आया कि चंद्रशेखर गुप्ता चोरी की कारें गिरोह से लेकर उन्हें बेचने और उससे मिले रुपयों को अन्य सदस्यों के बैंक खातों में भेजने में शामिल था। इसी मामले में उसकी गिरफ्तारी हुई थी। अभियोजन के अनुसार, शरद पांडे का संगठित अपराध गिरोह वर्ष 2020 में मकोका के तहत दर्ज प्राथमिकी के तहत जांच के दायरे में आया था। आरोप है कि यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर से लग्जरी कारें चोरी कर उन्हें पूर्वोत्तर भारत, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों में बेचता था। चंद्रशेखर गुप्ता को इसी मकोका मामले में गिरफ्तार किया गया। अभियोजन ने आरोप लगाया कि आरोपित चोरी की गई कारों की बिक्री से प्राप्त अपराध की आय को गिरोह के अन्य सदस्यों के बैंक खातों के माध्यम से ट्रांसफर कराने में शामिल था। मामले में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है और फिलहाल प्रकरण अभियोजन साक्ष्य के चरण में है। अदालत ने कहा कि आरोपों के समर्थन में अभियोजन गवाहों की मौखिक गवाही, दस्तावेज साक्ष्य और मकोका की धारा 18 के तहत दर्ज मंजूरी मौजूद हैं। कोर्ट ने कहा कि ये केवल खोखले आरोप नहीं हैं, बल्कि गंभीर प्रकृति के हैं। कोर्ट ने कहा कि आरोपित के फरार होने और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। जमानत याचिका खारिज करते हुए अदालत ने आरोपी पक्ष के अधिवक्ता की इस दलील को भी स्वीकार नहीं किया कि आरोपित को अन्य दो मामलों में बरी किया जा चुका है और धन के लेन-देन से जुड़ी जांच अभी लंबित है।

राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत होने पर जिलाधिकारी को दी बधाई

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी नगीना के सदस्यों द्वारा बिजनौर में जिलाधिकारी बिजनौर जगजीत कौर से एक शिष्टाचार भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दी गई। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी नगीना के सदस्यों द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा जिलाधिकारी बिजनौर जसजीत कौर को पुरस्कृत किए जाने पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी नगीना द्वारा उन्हें शाल पहनाकर एवं पुष्प भेंट कर बधाई दी तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रधान गुरुद्वारा संत सभा नगीना के स. केवल पाल सिंह, मनमीत सिंह, हरमीत मल्होत्रा, युद्धवीर सिंह, सुखविंदर सिंह, क्षेत्रीय मंत्री भाजपा हरजिंदर कौर, अजीत कौर ,सिफत मल्होत्रा आदि उपस्थित रहे।

500 करोड़ का विवाद... दिल्ली में दर्ज कराया धोखाधड़ी का केस; पूरा मामला जान हर कोई हैरान

नई दिल्ली। 500 करोड़ रुपये के ट्रस्ट से जुड़े विवाद मामले में फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर मालविंदर सिंह की पत्नी जपना सिंह ने दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में अमानत में खयानत व धोखाधड़ी आदि कई धाराओं के तहत केस दर्ज कराया है। उन्होंने दूसरे पूर्व प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह (ननद) समेत अन्य पर ट्रस्ट से गैर-कानूनी तरीके से हटाने का आरोप लगाया है। जपना ने शिकायत की कि उनकी शिकायत का आधार पिछले साल 10 जुलाई की फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट व प्रोजेक्ट प्रिज्म है, जिसे एक चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म ने तैयार किया था। रिपोर्ट में सिस्टम में गड़बड़ी, रिकार्ड में हेराफेरी और जानबूझकर की गई कार्रवाइयों का ब्योरा दिया गया है, जिनका मकसद कथित तौर पर सोसाइटी की मेंबरशिप स्ट्रक्चर और गवर्नेंस को गैर-कानूनी तरीके से बदलना था। एफआइआर के मुताबिक, एफएलटी एलटी राजन ढल चैरिटेबल सोसाइटी की संपत्तियों में हॉस्पिटल का इंफ्रास्ट्रक्चर, मेडिकल उपकरण और वसंत कुंज में एक प्राइम प्लाट शामिल है, जिसकी जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये है। फोर्टिस हॉस्पिटल्स लिमिटेड के साथ 2013 के एक एग्रीमेंट के तहत, सोसाइटी हॉस्पिटल के आपरेशन से होने वाले सालाना सरप्लस रेवेन्यू का 15 प्रतिशत पाने की हकदार है। सोसाइटी सालाना लगभग 30 करोड़ रुपये का नियमित रेवेन्यू कमाती है, जिससे यह आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण संस्था बन जाती है। शिकायत में कहा गया है कि सोसाइटी की गवर्नेंस में मेंबर होने के नाते एक स्टेकहोल्डर के तौर पर उन्हें दस्तावेज में हेरफेर और अन्य गैर-कानूनी तरीकों से हटाया गया। शिकायत में दावा किया गया कि इस तरह कई अन्य वैध सदस्यों को भी हटाया गया। जपना सिंह और अन्य वैध सदस्यों को सोसाइटी की मेंबरशिप से हटाने के पीछे आरोपितों का आपराधिक मकसद बेईमानी और धोखे की नीयत से सोसाइटी की बड़ी संपत्तियों और रेवेन्यू पर गैर-कानूनी तरीके से पूरा कंट्रोल हासिल करना है। जपना सिंह ने दावा किया है कि उन्हें गैर-कानूनी तरीके से बाहर निकालकर अदिति और शिविंदर ने अपने परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के साथ मिलकर कथित तौर पर सोसाइटी की 500 करोड़ रुपये की जमीन और 30 करोड़ रुपये के सालाना रेवेन्यू पर कब्जा करने की कोशिश की, जिससे उन्हें निजी वित्तीय फायदे हुए और सोसाइटी के चैरिटेबल उद्देश्यों को नुकसान पहुंचा। शिकायत में कहा गया है कि कथित कुप्रबंधन, असली सदस्यों को बाहर निकालने और संदिग्ध धोखाधड़ी की चिंताओं के कारण फोरेंसिक ऑडिट किया गया, जिसमें मीटिंग नोटिस, जगह में बदलाव, कार्यकाल में हेरफेर और दस्तावेज जमा करने में गड़बड़ियां सामने आईं। आरोप में कहा गया है कि इन अनियमितताओं ने असली सदस्यों को धोखाधड़ी से बाहर निकालने और सोसाइटी की संपत्तियों पर कब्जा करने में मदद की।

चोरी की घटना का पुलिस ने महज 48 घंटे में किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज 48 घंटे के भीतर घर में हुई चोरी की वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को चोरी किए गए आभूषणों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 जनवरी को वादी रवि पुत्र सुखराम सिंह, निवासी ग्राम भोजपुर, थाना किरतपुर ने थाने में तहरीर देकर बताया कि अज्ञात चोर उनके घर में घुसकर कमरे का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी कर ले गया। तहरीर के आधार पर थाना किरतपुर में मु0अ0सं0 22/2026 धारा 305(ए)/ 331 (4)/ 317 (2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर टीम गठित की गई। बुधवार को पुलिस टीम ने सक्रिय कार्रवाई करते हुए घटना का खुलासा कर दिया। जांच के दौरान ग्राम भोजपुर निवासी हिमांशु पुत्र नरेश को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले रवि के परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। घर में जेवरात होने की जानकारी उसे थी। घटना के दिन वह रवि के घर गया और मौका पाकर अलमारी का ताला तोड़कर जेवरात चोरी कर ले गया। चोरी के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस को सूचना मिलने पर उसकी तलाश की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर गांव के बाहर घूमते समय उसे दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक गले का चेन लाकेट पीली धातु, 4 जोड़ी टॉप्स, 1 नथ, 4 जोड़ी पायल सफेद धातु, 1 मंगलसूत्र, पैरों के बिछुए (26 नग), एक ओम लॉकेट, तथा 2 हाफ कुंडल सहित अन्य आभूषण बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार, हे0का0 नरेंद्र कुमार, का0 2183 राहुल सैनी, का0 1734 नन्हे कुमार एवं का0 0553 ललित कुमार की अहम भूमिका रही। किरतपुर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा का भरोसा और मजबूत हुआ है।

स्योहारा में चला गया विशेष सड़क सुरक्षा चैंकिंग अभियान

बिजनौर (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा को लेकर धामपुर पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे के नेतृत्व में स्योहारा के स्टेशन चौराहे पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने दो पहिया और चार पहिया वाहनों की गहन जांच की। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल आठ वाहनों के चालान काटे गए, जिनमें दो पहिया और चार पहिया दोनों प्रकार के वाहन शामिल रहे। चेकिंग के दौरान एक फोर व्हीलर थार वाहन में अवैध रूप से लगे हूटर को पुलिस ने तत्काल उतरवाया। पुलिस ने वाहन चालकों को स्पष्ट किया कि हूटर का अनधिकृत प्रयोग कानूनन अपराध है और इससे आमजन को असुविधा होती है।
इस मौके पर क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन बेहद जरूरी है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाएं और गति सीमा का पालन करें। पुलिस द्वारा आगे भी ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे।

नगर पालिका स्योहारा में आवास योजना में भ्रष्टाचार के लगे आरोप

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, जिसका उद्देश्य शहरी गरीबों को छत देना है, स्योहारा में गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। नगर में यह योजना अब आवास नहीं बल्कि आवास घोटाला बनती नजर आ रही है। सवाल सीधा है–जिनके पास पहले से पक्के मकान हैं, वे दूसरी जगह दिखाकर योजना का लाभ कैसे ले रहे हैं, और जो वास्तव में झोपड़ी में जीवन गुजार रहे हैं, वे आज भी क्यों वंचित हैं? बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री द्वारा स्योहारा में 260 लाभार्थियों के खातों में ड्ड1-1 लाख की पहली किस्त भेजी गई, लेकिन इसी के साथ नगर पालिका में आरोपों का ऐसा बवंडर उठा, जिसने पूरी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। इस पूरे मामले को लेकर सभासद सुभद्रा सिंह का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने सीधे तौर पर नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि एक संविदा सफाई कर्मचारी के हाथ में नगर पालिका की सरकारी आईडी देकर उसी के माध्यम से अपात्र लोगों को पात्र और पात्रों को बाहर कर दिया गया। सबसे गंभीर आरोप यह है कि जिन मकानों पर पहले से लिंटर डला हुआ था, उनके खातों में भी आवास योजना की राशि पहुंच गई। वहीं, झोपड़ी और कच्चे मकानों में रहने वाले गरीब आज भी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। महिलाओं ने खुलकर आरोप लगाया कि उनसे ड्ड10 से ड्ड15 हजार तक की मांग की गई। जिन लोगों ने पैसे दिए, उनके खातों में योजना की रकम पहुंच गई और जो रकम नहीं जुटा पाए, उनकी फाइलें आज भी धूल फांक रही हैं। मामले ने तब और सनसनीखेज मोड़ ले लिया जब आरोप लगे कि शिकायतें बढ़ने पर कुछ मकानों को जांच से बचने के लिए तुड़वा दिया गया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। इससे यह सवाल और गहरा हो गया कि आखिर किस डर में यह सब किया गया और क्या कुछ छुपाने की कोशिश हुई? अब नगर में सवालों की बरसात शुरू हो चुकी है–किसका संरक्षण है इस पूरे खेल के पीछे? रिश्वत की दर किसने तय की? जांच होगी या जांच को भी दबा दिया जाएगा? फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। लेकिन स्योहारा की जनता अब सिर्फ आश्वासन नहीं, ठोस कार्रवाई चाहती है। यह मामला थमेगा या स्योहारा का सबसे बड़ा सियासी और प्रशासनिक तूफान बनेगा इसका जवाब आने वाला वक्त देगा।

जमीन विवाद में जानलेवा हमला, कई लोग घायल

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- जमीन के पुराने विवाद में ग्राम नूरपुर छीपरी में दबंगों द्वारा एक ही परिवार पर जानलेवा हमला किया गया है। इस घटना में एक बुजुर्ग समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पताल धामपुर में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरविन्द कुमार पुत्र लखीराम सिंह निवासी ग्राम नूरपुर छीपरी ने थाना शेरकोट में दी गई तहरीर में बताया कि उनकी खेती की जमीन को लेकर नरेश कुमार पुत्र राजाराम से मुकदमा मा० न्यायालय बिजनौर में विचाराधीन है, जिसकी सुनवाई 22 जनवरी 2026 को हुई थी। आरोप है कि 25 जनवरी 2026, रविवार सुबह करीब 9 बजे दयावती पत्नी नरेश कुमार ने जमीन पर अवैध कब्जा करने की नीयत से प्रार्थी की ताई ओमवती पत्नी अमीचन्द्र सिंह के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर दयावती ने अपने पति नरेश कुमार सहित अन्य परिजनों को मौके पर बुला लिया। सभी आरोपी लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से लैस होकर आए और लखीराम सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया। शोर सुनकर अरविन्द कुमार और उनका भाई अर्जुन मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। बचाव में आए ग्रामीणों को भी जान से मारने की धमकी दी गई। हमले में लखीराम सिंह, अरविन्द कुमार, अर्जुन तथा एक महिला दयावती पत्नी रूपराम सिंह घायल हो गईं। घटना के बाद घायलों को थाना शेरकोट ले जाया गया, जहां से पुलिस ने सभी को उपचार हेतु सरकारी अस्पताल धामपुर भेज दिया। थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीजेपी ने पंचकूला में की बड़ी बैठक, निकाय चुनावों को लेकर बनाई रणनीति; सांसद-विधायक और मंत्रियों को सौंपी जिम्मेदारी

चंडीगढ़। हरियाणा के पंचकूला स्थित बीजेपी के पंचकमल कार्यालय में मंगलवार को एक बड़ी संगठनात्मक बैठक हुई। इस दौरान नगर निगम चुनावों में जीत, 'वीबी जीरामजी' सम्मेलन और 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठ में सीएम नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली और प्रदेश प्रभारी डाक्टर सतीश पूनिया ने एक-एक विषय को उपस्थित नेताओं के सामने बड़ी बारीकी से रखा। इस दौरान सभी बीजेपी विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और मोर्चा पदाधिकारियों को स्पष्ट कहा गया कि कांग्रेस द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर फैलाए जा रहे हर झूठ को बेनकाब करना है। इसके साथ ही नगर निगम चुनावों में फिर से ऐतिहासिक जीत दर्ज करनी है और पार्टी की मजबूती के लिए भी लगातार दिए जा रहे कार्य भी पूरे करने हैं। खासकर विधायकों को कहा गया कि वे विधानसभाओं में वीबी जीरामजी पर पांच पांच जागरूकता सम्मेलन करें। बैठक में पीएम मोदी के लोकप्रिय "मन की बात" कार्यक्रम के लिए प्रदेश समिति बनाई गई एवं लोकसभा संयोजकों की नियुक्ति की गई। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने "मन की बात" प्रदेश समिति में प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया को संयोजक, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, राहुल राणा, आदित्य चावला, भारत भूषण जुयाल, नरेंद्र भारती और मनोज ढाण को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। मन की बात कार्यक्रम के लिए लोकसभा संयोजक भी नियुक्त किए गए। राजेश बतौरा को अंबाला, धुमन सिंह किरमिच को कुरूक्षेत्र, मेधराज गुप्ता को करनाल, आजाद नेहरा को सोनीपत, प्रदीप जैन को रोहतक, मनदीप मलिक को हिसार, बलदेव ग्रोहा को सिरसा, राकेश शर्मा को भिवानी-महेंद्रगढ़, हरविन्द कोहली को गुरुग्राम और अनिता शर्मा को फरीदाबाद लोकसभा संयोजक बनाया गया। कुरूक्षेत्र और हांसी जिला के प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं। पंचकूला के पूर्व जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा को कुरूक्षेत्र और प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता दांगी को हांसी जिला प्रभारी

बनाया गया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा हर समय चुनाव मोड़ पर रहती है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसे ही नगर निकाय चुनाव की घोषणा करेगा, उसके लिए भाजपा पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर ने तो मुझे भी हैरान कर दिया। कांग्रेस का 10 दिन का प्रशिक्षण चला है तो जरूर उन्होंने कुछ सीखा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी तो एक घंटे में ही चले गए, कांग्रेस में अपनी-अपनी ढपली और अपना-अपना राग है। उन्होंने कहा कि यहां के कांग्रेस नेताओं ने वोट चोरी पर राहुल गांधी को ही भ्रम में डाल दिया। सीएम नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के बजट पर बोलते हुए कहा कि लोगों के अच्छे सुझाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हरियाणा भाजपा सरकार का बजट जनता के सुझाव का बजट होगा। नायब सैनी ने कहा कि पारदर्शिता हमारी सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि बजट का एक-एक पैसा लोगों के वेलफेयर पर खर्च होगा। एक सवाल पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हमने विपक्ष के विधायकों से भी बजट के लिए सुझाव मांगे हैं। विपक्ष के विधायक भी अगर सुझाव देते हैं तो उनका स्वागत है। एसवाईएल पर हुई बैठक के बारे में श्री सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ सार्थक बैठक हुई है। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी बातें रखी है। अधिकारियों को समाधान खोजने के लिए कहा गया है। एसआईआर के मुद्दे पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह मुद्दा चुनाव आयोग का है। चुनाव आयोग एसआईआर करा रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों में भी एसआईआर की प्रक्रिया होती रहती थी, लेकिन जिनकी वोट होती थी उनकी वोटों को काट दिया जाता था। एक-एक मकान में 100 वोटों का गुच्छा होता था। उन्होंने कहा कि अब एक-एक वोट की जांच हो रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि बैठक में विधायकों को अपनी-अपनी विधानसभाओं के अलावा दूसरी विधानसभाओं में भी पांच-पांच वीबी-जीरामजी योजना को लेकर सम्मेलन करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सोनीपत, पंचकूला और अंबाला नगर निकाय चुनाव के लिए पार्टी तैयार है। आज की बैठक में निकाय चुनाव के प्रभारियों को उनकी जिम्मेदारियां और काम में जुट जाने के लिए कहा गया है। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने भाजपा के कार्यकताओं की खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जब दुनिया कोरोना जैसी महामारी से जूझ रही थी तब भाजपा के कार्यकर्ता इस महामारी से पूरी ताकत के साथ लड़ रहे थे। डॉ. पूनिया ने कहा कि अगर हम वोट की राजनीति और सरकार बनाने के लिए काम करते तो महामारी से लड़ा नहीं जाता। संगठनात्मक बैठक में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, श्याम सिंह राणा, अनिल विज, आरती राव, श्रुति चौधरी, रणबीर गंगवा, राजेश नागर सहित पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, विधायक और मोर्चो के प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी, सुरेंद्र पूनिया और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी मौजूद रहे।

फरीदाबाद में छात्र पर फिल्मी अंदाज में हमला, पहले अर्धनग्न हालात में घर से बाहर खींचा, फिर हथियार से किया वार

फरीदाबाद : बल्लभगढ़ में 12वीं कक्षा के छात्र के साथ गंभीर मारपीट का मामला सामने आया है। कुछ युवकों ने छात्र को उसके घर से अर्धनग्न हालत में बाहर खींचकर गली में डंडों से पीटा और उसकी गर्दन में बर्फ तोड़ने वाला सुआ घोंप दिया। पूरी घटना गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़ित छात्र का नाम प्रकाश है। वह बल्लभगढ़ की चावला कॉलोनी का रहने वाला है और सेक्टर-7 स्थित एक स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ता है। यह घटना 25 जनवरी की शाम करीब 4 बजे की है। उस समय प्रकाश अपने घर पर था और बाथरूम में नहाने के लिए कपड़े निकाल रहा था। इसी दौरान करीब सात युवक जबरन उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने प्रकाश को पकड़ लिया और उसे घसीटते हुए बाहर गली में ले आए। इस दौरान छात्र लगातार चिल्लाता रहा, लेकिन कोई भी उसकी मदद के लिए आगे नहीं आया। गली में लाने के बाद आरोपियों ने प्रकाश को जबरन एक कार में बैठाने की कोशिश की। प्रकाश का आधा शरीर कार के अंदर डाल दिया गया, लेकिन वह किसी तरह बाहर निकल आया। इसके बाद आरोपी उसे कार में नहीं बैठा पाए तो वहीं गली में डंडों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के दौरान एक युवक ने प्रकाश की गर्दन में सुआ घोंप दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद सभी आरोपी फरार हो गए। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिटी थाना प्रभारी शमशेर सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

पंजाब में सड़क हादसे में फतेहाबाद के दम्पति सहित 3 की मौत, भांजे की शादी में शामिल होने आए थे पति-पत्नी

रतिया : मंगलवार सुबह पंजाब क्षेत्र के जिला मानसा के पास गांव ख्याला कलां में हुए सड़क हादसे में रतिया के दम्पति उपकार सिंह (67) और उनकी पत्नी सुपिंद्र कौर (62) सहित 3 लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि यह हादसा 2 स्विफ्ट कारों की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ। मानसा अस्पताल के एस.एम.ओ. गुरमीत गुरमेल सिंह ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाला तीसरा व्यक्ति ख्याला गांव निवासी बलकार सिंह (23) हैं जबकि धलेवा निवासी अमनप्रीत सिंह (23) इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसे बाहरी अस्पताल रैफर किया गया है। परिजनों के अनुसार रतिया निवासी उपकार सिंह अपनी पत्नी के साथ पिछले 4 दिनों से अपने भांजे की शादी में शामिल होने के लिए पंजाब क्षेत्र के कस्बा भिखी में गया हुआ था और इसके बाद मानसा में रिश्तेदार के घर चला गया था। उपकार सिंह के बचपन के दोस्त एवं दुकान के पार्टनर सतीश कुमार बैटरी वाले ने बताया कि आज सुबह ही मानसा से रिश्तेदारों के घर से अपनी कार द्वारा रतिया के लिए रवाना हुआ था लेकिन कुछ ही दूरी पर सामने से आ रही एक स्कूटी को बचाने के चक्कर में अन्य कार से भयानक टक्कर हो गई और मौके पर मौत हो गई। बताया जाता है कि सड़क दुर्घटना में मारे गए दम्पति का बेटा और बेटी विदेश में रहते हैं। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर कानूनी कार्रवाई जारी है।

अंबाला के श्मशान घाट में भरा 2-2 फुट पानी, गंदे नाले के बीच से शव ले जाने को मजबूर लोग

अंबाला शहर। जिस शहर से देश की आजादी के लिए बगावत की पहली चिंगारी फूटी थी पर दुर्भाग्यवश उसी शहर में 77 साल बाद भी श्मशान घाट तक शवों को ले जानी वाली मुख्य सड़क पर पानी निकासी की व्यवस्था नहीं हो पाई। ऐतिहासिक नगरी के नाम से पहचान रखने वाले अंबाला शहर के लोगों के इस दर्द को कोई सुनने वाला नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव एडवोकेट रोहित जैन ने इस अव्यवस्था पर चिंता जताते हुए सीधे तौर पर राज्य सरकार व नगर निगम के अफसरों को जिम्मेदार ठहराया है। जैन ने कहा कि हल्की सी बरसात में ही रामबाग श्मशानघाट की मुख्य सड़क नदी में तब्दील हो जाती है। ऐसे में अगर किसी के

परिवार में कोई मृत्यु हो जाए तो उनके लिए शव का अंतिम संस्कार करना ही चुनौती बन जाती है। ऐसे में लोगों को 2-2 फुट पानी से होकर शव को श्मशान घाट तक ले जाना पड़ता है। कई बार तो लोगों को पानी की वजह से अंतिम संस्कार तक स्थगित करना पड़ता है। जैन ने कहा कि एक तरफ तो 77वें गणतंत्र दिवस की खुशियां मना रहा है। तिरंगे के सम्मान और संविधान की गरिमा की बातें की जा रही हैं। पर दूसरी तरफ अंबाला शहर के रामबाग श्मशान घाट की बदहाल स्थिति सरकारी दावों पर आंसू बहाती दिख रही है। अंतिम संस्कार के लिए गंदगी, जलभराव और दुर्गंध के बीच लोगों को अपमानजनक हालात का सामना करना पड़ रहा है। निकासी न होने की वजह से अब यह पानी सड़ने लगा है। इसकी दुर्गंध से हर कोई परेशान है। उन्होंने कहा कि हाल ही में सहयोगी वकील के दाह संस्कार के लिए परिजन, रिश्तेदार और गणमान्य नागरिक श्मशान घाट पहुंचे थे लेकिन श्मशान घाट के चारों ओर जमा गंदे पानी, कीचड़ की वजह से स्थिति बेहद भयावह हो गई। मजबूरी में अंतिम संस्कार के लिए दूसरी जगह जाना पड़ा। शहर के नागरिकों ने मांग की है कि श्मशान घाट में तत्काल जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मौके पर ज्ञान सिंह संधु, पूर्व प्रधान एडवोकेट इकबाल सिंह, कृष्ण लाल आदि ने दुख जताया।

शर्मनाक: रोहतक में अज्ञात व्यक्ति ने 7 वर्षीय बच्ची से किया दुष्कर्म, गंभीर हालत में PGI में भर्ती

रोहतक : रोहतक जिले के एक गांव स्थित ढाबे पर काम करने वाले व्यक्ति की 7 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची की हालत अभी नाजुक बताई जा रही है जिसे पी.जी.आई. के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित परिवार हरदोई उत्तर प्रदेश का रहने वाला है जो हाल में गांव के अंदर किराए के मकान में रहता है। सोमवार को बच्ची का पिता ढाबे पर काम करने के लिए चला गया। पीछे से उसकी बच्ची के साथ अज्ञात व्यक्ति ने दुष्कर्म कर दिया। इसकी सूचना जब ढाबे पर काम कर रहे पिता को मिली तो वह घर पहुंचा और बच्ची को संभालते हुए पुलिस को सूचना दी। आई. एम.टी. थाना एस.एच.ओ. बिजेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने पीड़ित बच्ची के पिता की शिकायत पर केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बच्ची का मैडीकल करवाया जा रहा है।

अलमोड़ा में टैक्सी कर्मियों के साथ उलझी बॉक्सर स्वीटी बूरा, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल; हाथापाई के आरोप

हिसार। हिसार की रहने वाली बक्सर स्वीटी बूरा 26 जनवरी को उतराखंड के टैक्सी यूनियन के कर्मचारियों से उलझ गई। मामले को लेकर एक वीडियो भी वायरल हुआ है। जिसमें स्वीटी बूरा, उनकी बहन व एक युवक दिखाई दे रहा है। स्वीटी बूरा व उनकी बहन कहती नजर आ रही है कि वे पुलिस वाले हैं, उनकी वीडियो न बनाएं। वहीं दूसरे पक्ष के युवक कह रहे हैं कि वे कोई भी हों, उनकी वीडियो बन रही है। इस दौरान थोड़ी हाथापाई भी दोनों पक्षों में होती नजर आई। स्वीटी बूरा ने बताया कि

वे 26 जनवरी को परिवार समेत नीम करौली बाबा के दर्शन के लिए गए थे। वहां पर उत्तराखंड में टैक्सी स्टैंड पर गाड़ी खड़ी की थी। वह पानी व फ्रूट्स लेने के लेने के लिए जाने लगी, इतनी देर में टैक्सी कर्मी बोले कि गाड़ी को आगे ले लो। उनसे कहा कि दो मिनट में ले जाएंगे, लेकिन वे दुर्व्यव्यवहार और गाली-गलौच करने लगें। उस दौरान वहां पर पुलिसकर्मी भी थे। वे लोग वीडियो बना रहे थे, लग रहा था कि उनकी कोई गैंग है। वहां पुलिसकर्मियों ने भी कहा कि इन लोगों का रोज का काम है। उस दौरान वहां से निकल आए थे। मामले को लेकर कोई शिकायत नहीं दी थी। वहीं दूसरे पक्ष के लोगों का आरोप है कि स्वीटी बूरा ने गाड़ी से शराब की बोतलें व कूड़ा फेंका था। इस बात का विरोध किया तो उनसे उलझ गई और हाथापाई करनी लगी। खुद को पुलिसवाला भी बताया।

बाइक सवार 4 बदमाशों ने 2 व्यापारियों से लूटी 11 किलो चांदी, ऐसे हुई पूरी वारदात

जींद: सफीदों से जींद की तरफ आ रहे बाइक सवार 2 व्यापारियों से 2 बाइक सवार 4 बदमाशों ने हमला करके 11 किलोग्राम चांदी लूट ली। जींद की श्याम नगर कॉलोनी निवासी सन्नी ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह चांदी की अंगूठी व लॉकेट आदि दिल्ली की एक कंपनी से लाकर बाजार में सप्लाई करने का काम करता है। 26 जनवरी को वह व उसका पार्टनर संदीप निवासी रामराय भैण मोटरसाइकिल पर 2 बैगों में चांदी की अंगूठी व लॉकेट लेकर असंध मार्कीटिंग के लिए आए हुए थे। असंध में उन्होंने अलग-अलग 10 दुकानों पर माल दिखाया। एक दुकानदार ने माल खरीदा भी है। उसके बाद करीब 4 बजे सफीदों की मार्केट में 10 से 12 दुकानों की मार्कीटिंग की। इस दौरान उनका मोटरसाइकिल खराब होने के कारण 1-2 घंटे लग गए। करीब 10-11 बजे वे गांव बुढ़ाखेड़ा के नजदीक पम्प के पास पहुंचे तो 2 मोटरसाइकिलों पर सवार होकर 4 युवक आए जिन्होंने उनके मोटरसाइकिल को रोकने का इशारा किया। रुकते ही एक युवक ने सन्नी पर हमला कर उसे गिरा दिया। मोटरसाइकिल गिरते ही उक्त युवकों ने उनसे दोनों बैग छीन लिए और धमकी देकर फरार हो गए। उनके दोनों बैगों में 11 किलो चांदी के लॉकेट व अंगूठियां थीं जिनकी कीमत करीब 40 लाख रुपए बताई जा रही है। पीड़ित सन्नी ने पुलिस को दी शिकायत में यह भी बताया कि बुढ़ाखेड़ा के पास हुई इस लूटपाट की वारदात के बाद वे पहले पिल्लूखेड़ा थाने में गए लेकिन उन्हें दूसरे थाना क्षेत्र का बताते हुए सफीदों सदर थाने में भेज दिया। सफीदों सदर थाने में पुलिस ने उक्त चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी।

करनाल: स्कूलों को मिली बम की धमकी को लेकर DSP का बड़ा बयान, जानिए क्या बोले

करनाल: हरियाणा के करनाल में आज सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब शहर के कई प्रमुख स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। हालांकि, करनाल पुलिस की शुरूआती जांच में यह पूरी तरह से 'फेक कॉल' पाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी राजीव कुमार ने स्थिति स्पष्ट की है। जैसे ही पुलिस को धमकी भरे ईमेल की सूचना मिली, संबंधित थानों की पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला। डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते ने प्रभावित स्कूलों का चप्पा-चप्पा छाना। जांच के दौरान अभी तक कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। डीएसपी ने बताया कि शुरूआती जांच के अनुसार, यह केवल डर का माहौल पैदा करने के लिए किया गया एक भ्रामक प्रयास था। साइबर सेल सक्रियः धमकी भरा ईमेल कहाँ से आया, इसके लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। अभिभावकों से अपील पुलिस प्रशासन ने जनता और अभिभावकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और पैनिक (घबराएं) न हों। स्कूल प्रबंधन के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर निगरानी की जा रही है।

जेल भेजे नशा तस्करी के आरोपियों के बाहर आने पर इलाके में माहौल तनावपूर्ण, रिहा होते ही मचाया हुड़दंग

फरीदाबाद : फरीदाबाद की नेहरू कॉलोनी में कुछ दिन पहले पत्थरबाजी के मामले में जेल भेजे गए नशा तस्करी के आरोपियों के बाहर आने के बाद इलाके में एक बार फिर माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि जेल से रिहा होते ही उनके समर्थकों ने दर्जनों गाड़ियों में सवार होकर सड़कों पर स्टंट किए। वहीं तेज रफ्तार में गाड़ियाँ दौड़ाईं और खुलेआम रौब दिखाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस दौरान बदमाशों ने पुलिस की कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए जमकर हुड़दंग मचाया, जिससे आम जनता में डर का माहौल बन गया। गाड़ियों से तेज म्यूज़िक, स्टंट और नारेबाजी के चलते यातायात भी कुछ समय के लिए बाधित रहा। अब देखने वाली बात यह होगी कि इस पूरे मामले पर क्राइम ब्रांच और पुलिस प्रशासन क्या संज्ञान लेता है और कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

विज का राहुल गांधी के बयान पर हमला, बोले- कांग्रेस को बताया विदेशी पार्टी, भाजपा देसी पार्टी

हरियाणा : हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस अब एक टूटी-फूटी पार्टी बन चुकी है और देशभर से उसका लगातार सफाया होता जा रहा है। यमुनानगर में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा, दिल्ली और बिहार के बाद महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव जीते हैं और आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में भी जीत दर्ज करेगी। राहुल गांधी के प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर विज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी यहां प्रशिक्षण देने आए हैं, लेकिन उन्हें केवल चुनाव हरवाने की ही जानकारी है और वह यही प्रशिक्षण सभी को देंगे। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि जैसे मुगल चले गए और अंग्रेज चले गए, वैसे ही भाजपा भी चली जाएगी। अनिल विज ने कहा कि मुगल और अंग्रेज विदेशी थे, जबकि भाजपा देसी पार्टी है। हमारा जन्म इसी देश में हुआ है और भारतीय जनता पार्टी का जन्म भी इसी देश में हुआ है। हम देश की संस्कृति और राष्ट्रीय भावना को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस तो स्वयं विदेशी मूल की पार्टी है। विज ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर राहुल गांधी कहते हैं कि वे बाहर चले गए, तो कांग्रेस भी बाहर चली जाएगी और देश में केवल भाजपा का ही राज रहेगा।

बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटा विभाग, खुद रखता हूं निगरानी : विज

ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था को लेकर भी अहम जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कॉलोनियां बस चुकी हैं और उनके ऊपर से 33 केवी या 66 केवी की हाईटेंशन लाइनें गुजर रही हैं, उन्हें हटाने का

प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह देखा जाता है कि पहले बिजली लाइन डाली गई थी या पहले मकान बना था। यदि मकान बाद में बना है तो लाइन हटवाने के लिए संबंधित व्यक्ति को एस्टीमेट राशि जमा करानी पड़ती है। पिछले दिनों आई तेज हवाओं और बारिश से बिजली आपूर्ति प्रभावित होने के सवाल पर विज ने कहा कि सैकड़ों बिजली के खंभे उखड़ गए हैं और कई फीडर व ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं। बिजली विभाग के कर्मचारी और अधिकारी युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं। उन्होंने अपने अंदाज में कहा कि वह कहीं भी बिजली को रुकने नहीं देते और इस पूरे सिस्टम की खुद निगरानी करते हैं।

गणतंत्र दिवस देश के मान-सम्मान का दिन, सैनिकों को किया नमन

गणतंत्र दिवस के महत्व पर बोलते हुए अनिल विज ने कहा कि इस दिन का पूरे वर्ष इंतजार किया जाता है, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान और गौरव का प्रतीक है। 26 जनवरी 1950 को देश को संविधान मिला और इसी खुशी में यह पर्व मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि देश के सैनिक सीमाओं पर कठिन और विपरीत परिस्थितियों में देश की रक्षा करते हैं। हाल ही में हुई एक दुर्घटना में कई सैनिकों के शहीद होने की खबर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देशवासियों के मन में सैनिकों के प्रति हमेशा सम्मान रहता है,

कैथल में दर्दनाक सड़क हादसा, एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत,इलाके में शोक

कैथल : कुरुक्षेत्र रोड स्थित नेशनल हाईवे-152 के समीप सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों की पहचान चिरंजीव कॉलोनी निवासी 74 वर्षीय देवराज, उनकी पत्नी 72 वर्षीय उषा और 45 वर्षीय बेटे सचिन के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवराज का शाहाबाद के एक निजी अस्पताल में किसी बीमारी का इलाज चल रहा था। सोमवार को वे अपनी पत्नी और बेटे के साथ इलाज करवाकर कार से कैथल लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार नेशनल हाईवे-152 के नजदीक पहुंची, अचानक सामने एक पशु आ गया। चालक के संभलने से पहले ही कार पशु से टकरा गई और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को तुरंत कैथल के नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। सदर थाना एसएचओ रमेश चंद्र ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह हादसा अचानक पशु के सामने आने के कारण हुआ प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने इत्तेफाकिया मौत की धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है

आईसीसी रैंकिंग: सूर्यकुमार यादव की टॉप-10 में वापसी, अभिषेक नंबर 1 पर बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी लेटेस्ट आईसीसी टी20आई रैंकिंग में टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में वापस आ गए हैं। वह पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20आई सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद जिसमें भारत अभी 3-0 से आगे है।

भारतीय कप्तान जो सबसे छोटे फॉर्मेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, उन्होंने दूसरे मैच में 82 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली और 468 दिनों के अपने अर्धशतक के सूखे को भी खत्म किया। सूर्यकुमार ने अगले मैच में भी इस लय को जारी रखा और सिर्फ 26 गेंदों में 57 रन बनाए। भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा ने भी तीसरे टी20आई में 68 रनों की शानदार पारी खेलकर टॉप पर अपनी स्थिति मजबूत की। 929 अंकों के साथ उन्होंने टॉप पर अपनी बढ़त को 80 रेटिंग अंकों तक बढ़ा दिया है।

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी तीसरे ञ्20द्ध में ब्लैककैप्स के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के साथी वरुण चक्रवर्ती ब्लैककैप्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद अभी भी टॉप पर अपनी स्थिति बनाए हुए हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने मौजूदा सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद रैंकिंग में अपनी बढ़त जारी रखी है। हार्दिक एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दुबे पांच स्थान ऊपर चढ़कर ग्यारहवें स्थान पर आ गए हैं।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में 18 स्थान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम 20वें नंबर पर पहुंच गए हैं और वेस्टइंडीज के हार्ड-हिटर ब्रैंडन किंग भी 15 स्थान ऊपर आ गए हैं। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान, साउथ अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश और वेस्टइंडीज के सीमर मैथ्यू फोर्ड गेंदबाजों की रैंकिंग में पांच, आठ और उन्नीस स्थान ऊपर आ गए हैं।

इंग्लैंड की टॉप बैटिंग जोड़ी हैरी ब्रूक और जो रूट ने अपनी टीम को श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने में मदद की। नतीजतन ब्रूक 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, और रूट छह स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 17वें स्थान पर आ गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मुसेट्टी के रिटायर होने से सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। है। जोकोविच इस बार किस्मत से सेमीफाइनल में पहुंचे गये क्योंकि क्वार्टर फाइनल में उनके विरोधी इटली के लोरेंजो मुसेट्टी बढ़त पर थे लेकिन तीसरे सेट में चोटिल होने के कारण उन्हें रिटायर होना पड़ा ऐसे में जोकोविच 13वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गये।

मुसेट्टी ने एकल मुकाबले की शुरुआत अच्छी तरह की थी। उन्होंने पहला सेट 6-4 और दूसरा सेट 6-3 से जीता था। था। मुसेट्टी की तगड़ी सर्विस और बेसलाइन खेल से जोकोविच पर दबाव रहा। इससे जोकोविच दबाव में रहे। पहले सेट में मुसेट्टी ने बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में भी वह बढ़त पर थे और उन्होंने सर्विस ब्रेक के साथ 6-3 से सेट जीत लिया।

हालांकि, तीसरे सेट के तीसरे गेम में मुसेट्टी के दाहिने पैर में चोट लगी और उनकी हड्डी टूट गई। फिजियो से इलाज के बाद वह खेलते रहे पर दर्द बढ़ने के कारण उन्हें मैच से बाहर होना पड़ा। मुसेट्टी के रिटायर होते हीं जोकोविच सेमीफाइनल में पहुंच गए।जोकोविच का सामना अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर और आठवें वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से होगा।

आईसीसी ने बांग्लादेशी मीडिया को नहीं दी भारत में टी20 विश्वकप मैचों के कवरेज की अनुमति

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अगले माह खेले जाने वाले टी20 विश्वकप के भारत में होने वाले मैचों की कवरेज की अनुमति बांग्लादेशी मीडिया को नहीं है।ऐसे में अब बांग्लादेशी पत्रकार इन मैचों को कवर करने भारत नहीं आ सकेंगे।आईसीसी ने विश्व कप 2026 के भारत में होने वाले मैचों को कवर करने के लिए बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन को ठुकरा दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी अधिकारियों ने कहा है कि बांग्लादेश की सरकार और क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नहीं भेजने की बात कही है।इसी को देखते हुए बांग्लादेशी पत्रकारों के वीजा और एक्रेडिटेशन (अधिमान्यता) आवेदन खारिज कर दिए गए हैं।विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से 7 फरवरी से 6 मार्च तक होगा।आईसीसी के अनुसार जब बांग्लादेशी सरकार भारत को सुरक्षित नहीं मानती है तब कैसे उसके पत्रकारों को प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई बांग्लादेशी पत्रकारों ने कहा था कि उन्हे शुरू में 20 और 21 जनवरी को आवेदन मंजूरी वाले ईमेल मिले थे पर बाद में इन्हें रद्द कर दिया गया। वहीं बांग्लादेशी मीडिया कमेटी के चेयरमैन अमजद हुसैन का मानना है कि बांग्लादेश के 130 से 150 पत्रकारों ने अधिमान्यता के लिए आवेदन किया किया था।अमजद ने कहा, सभी बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन को खारिज कर दिया गया था। इस साल करीब 130 से 150 पत्रकारों ने आवेदन किया था पर किसी को भी अधिमान्यता नहीं मिली।एक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, भले ही कोई टीम नहीं खेल रही हो, आईसीसी एसोसिएट सदस्य देशों के पत्रकारों को अभी भी एक्रेडिटेशन मिल सकता है।

टी20 विश्वकप में कोई टीम भारत के सामने टिक नहीं पायेगी : इरफान पठान

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम अपनी धरती पर होने वाले टी20 विश्कवप को जीतने की प्रबल दावेदार रहेगी। पठान के अनुसार जिस प्रकार के फार्म में भारतीय टीम अभी है उससे कोई भी टीम उसके सामने नहीं टिक पायेगी। पठान ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम ने हाल के समय में खेला है और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज पर कब्जा किया है उससे उसके बुलंद हौंसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी दोनो ही लाजवाब है। ञटी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम का आक्रामक प्रदर्शन देखकर ही अन्य टीमें दबाव में आ जाएंगी। भारतीय टीम ने कीवी टीम के खिलाफ जिस प्रकार तेजी से लक्ष्य का पीछा किया है। उसे पता चलता है कि टीम निडर होकर खेल रही है। साथ ही कहा कि जो भी टीम भारतीय टीम के बीच आयेगी वह ध्वस्त हो जाएगी।

साथ ही कहा कि टीम का लक्ष्य अपनी खिताब बरकरार रखना रहेगा। आज तक मेजबानी करने वाली टीमों ने टी20 विश्व कप नहीं जीता है। इसलिए भारतीय टीम इस बार जीत के साथ ही इस मिथ को भी तोड़ देगी। टीम बड़ जीत दर्ज कर विश्वकप में इतिहास रच देगी। पठान ने कहा है कि भारतीय टीम तकरीबन अपराजेय दिख रही है। ऐसी टीम जिसे हराना लगभग असंभव है। पठान ने कहा, 'इस भारतीय टीम को हराना करीब करीब असंभव सा लग रहा है। उनके खेल को देखकर ऐसा लग रहा है कि जो भी इनके खिलाफ आएगा वो पूरी तरह बिखर जाएगा'

न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के तीसरे टी20 मैच का उदाहरण देते हुए पठान ने कहा कि जब विकेट गिर जा रहे थे तो भी टीम के आक्रामक अंदाज में बदलाव नहीं आया। पठान ने आगे कहा, 'भारतीय टीम का यही आक्रामक अंदाज ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण् अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी टीमों के लिए डरावना रहेगा। भारतीय टीम अविश्वसनीय क्रिकेट खेल रही है। भारतीय टीम विश्व कप से पहले दूसरी टीमों पर दबाव बना रही है।' टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

श्रीकांत ने पाकिस्तान पर कसा तंज , हार से बचने कोई बहाना बनाकर विश्वकप से हटना ही होगा बेहतर

चेनई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले माह भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप के बहिष्कार की धमकी दे रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि उसने अभी विश्वकप में भाग लेने को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है और सरकार के संदेश को इंतजार कर रहा है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि वह विश्वकप में भले ही भाग ले पर भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में शायद ही खेले। इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कप विजेता टीम के सदस्य रहे के श्रीकांत ने पाक टीम पर तंज कसते हुए कहा है कि वह कोई बहाना बनाकर हट जाये क्योंकि अगर वह खेलती भी है तो उसे भारतीय टीम के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ेगी। श्रीकांत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय टीम जबरदस्त लय में है और जो भी टीम बीच में आयेगी उसे हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'पिछले दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम ने 15 ओवर में ही 208 रन बना लिए। वहीं तीसरे मैच में भी टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।।इसे देखते हुए कई टीमें तो कह रही होंगी- नहीं, हम नहीं आ रहे हैं। आप कप रख सकते हो।'

वहीं पाक को लेकर श्रीकांत ने कहा, मत ही आओ तो अच्छा रहेगा। तुम्हारे पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी भी कह रहे हैं मत जाओ। आप पीटे जाओगे। कोलंबो में लगा सिक्स मद्रास में गिरेगा। सावधान। सबसे अच्छा दूर रहना ही बेहतर होगा। बहाना बना लो और मत आओ। टी20 क्रिकेट में आजकल जिस प्रकार का आक्रामक अंदाज भारतीय टीम ने दिखाया है उसे देखकर कोई भी टीम आने की नहीं सोचेगी।गौरतलब है कि बांग्लादेश के टी20 विश्वकप से बाहर रहने के फैसले के बाद से ही पाक ने भी कई बार टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी है हालांकि एक ओर उसने टीम भी घोषित कर दी है। वहीं पाक मीडिया में अटकलें हैं कि पाकिस्तान भले टी20 विश्व कप का बहिष्कार न करे लेकिन वह 15 फरवरी को भारत के साथ होने वाले ग्रुप मैच का बहिष्कार कर सकता है।टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होने जा रहा है। इसकी संयुक्त मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें 5-5 के कुल 4 ग्रुप में बांटा गया है।

टी20 विश्वकप में होप की कप्तानी में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका ।वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है।शाई होप की कप्तानी में टीम इस टूर्नामेंट में उतरेगी।15 सदस्यीय दल में अनुभवी जेसन होल्डर और रोवमैन पॉवेल को भी शामिल किया गया है।टूर्नामेंट 7 फरवरी से शुरु होगा।इसमें वेस्टइंडीज अपना पहला मैच स्कॉटलैंड से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेलेगी। वेस्टइंडीज ने अपनी टीम में युवा बल्लेबाज़ क्वेंटिन सैंपसन को भी शामिल किया है। सैंपसन ने हाल ही में दुबई में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज़ में टी20 डेब्यू किया था।सैंपसन ने सीपीएल लीग में गुयाना अमेज़न वॉरियर्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाये थे।इस क्रिकेटर ने 9 पारियों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाये थे।टीम में रोस्टन चेस, अकील होसैन और शेरफेन रदरफोर्ड व रोमारियो शेफर्ड को भी शामिल किया गया है।

तेज़ गेंदबाज़ शमार जोसेफ को भी टीम में जगह मिली है।टीम की तेज़ गेंदबाज़ी की कमान शमार जोसेफ के पास रहेगी।उनका साथ जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड और जेडन सील्स देंगे।स्पिनर के तौर पर अकील होसैन के के अलवा रोस्टन चेस और गुडाकेश मोटी रहेंगे।वेस्टइंडीज की टीम में पिछले विश्व कप के 11 खिलाड़ी शामिल हैं।एविन लुईस और अल्ज़ारी जोसेफ को चोट के कारण टीम में जगह नहीं मिली है।

क्विंटन डी कॉक वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ा मुकाम हासिल करने उतरेंगे, मात्र 2 रन की जरुरत

सेंचुरियन (दक्षिण अफ्रीका)।दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक बुधवार से सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टी20आई मैच में टी20 क्रिकेट में 12000 रन के आंकड़े को छूने से सिर्फ दो रन दूर हैं। सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ प्रोटियाज सेंचुरियन में दूसरे टी20आई में विंडीज से भिड़ेंगे। वह पहला टी20आई मैच नहीं खेल पाए थे और हाल ही में खत्म हुए SA20 सीजन में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे डी कॉक फरवरी में टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले अपनी नेशनल टीम के लिए कुछ कीमती गेम प्रैक्टिस करना चाहेंगे। फ्रेंचाइजी क्रिकेट की विभिन्न लीगों और अपने देश के लिए 429 टी20 मैचों में उन्होंने 429 मैचों और 415 पारियों में 31.24 की औसत से कुल 11,198 रन बनाए हैं जिसमें स्ट्राइक रेट 138 से अधिक है जिसमें 7 शतक और 81 अर्धशतक और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 140* शामिल है।वह इस फॉर्मेट में 11वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। साउथ अफ्रीका के लिए 100 टी20आई में उन्होंने 99 पारियों में 30.78 की औसत और 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 2,771 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम एक शतक और 18 फिफ्टी हैं और बेस्ट स्कोर 100 है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: सिनर खिताबी हैट्रिक के करीब, जोकोविच भाग्य के सहारे सेमीफाइनल में पहुंचे

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच किस्मत के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे।

सिनर की लगातार तीसरी खिताबी दौड़

यानिक सिनर ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को 6-3, 6-4, 6-4 से हराया। दो घंटे 23 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिनर ने शुरू से अंत तक नियंत्रण बनाए रखा। वह अब लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर हैं।

चोट ने बदली जोकोविच की किस्मत

नोवाक जोकोविच क्वार्टरफाइनल में इटली के पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ शुरुआती दो सेट 4-6, 3-6 से हार चुके थे। तीसरे सेट में मुसेटी को दाहिने पैर में चोट लग गई, जिसके बाद उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया और अंततः मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह जोकोविच को सेमीफाइनल में एंट्री मिल गई।

'आज मेरा दिन नहीं था' - जोकोविच

मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे मुसेटी के लिए बहुत दुख है। वह आज मुझसे बेहतर खेल रहा था। ईमानदारी से कहूं तो आज मेरा दिन नहीं था, लेकिन टेनिस में कभी-कभी किस्मत भी अहम भूमिका निभाती है।'

सेमीफाइनल की बड़ी टक्कर

पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में अब यानिक सिनर का सामना नोवाक जोकोविच से होगा। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज़ और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।

महिला वर्ग में भी रोमांच

महिला सिंगल्स में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।रयबाकिना ने विश्व नंबर-2 इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराया। पेगुला ने चौथी वरीय अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 से मात दी। दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय एरिना सबालेंका का सामना एलिना स्वितोलिना से होगा।

थाईलैंड मास्टर्स में अशिमता चालिहा का दमदार वापसी, मेन ड्रॉ में बनाई जगह

पटुमवान (एजेंसी)। भारत की अशिमता चालिहा ने पटाया में खेले गए दो कड़े क्वालिफाइंग मुकाबले जीतकर थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स मेन ड्रॉ में जगह बना ली।26 वर्षीय अशिमता ने अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे की ऊंची रैंकिंग वाली हंग यी टिंग के खिलाफ तीन गेम के रोमांचक मुकाबले से की, जिसे उन्होंने 15-21, 21-12, 21-12 से अपने नाम किया।पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की 87वीं रैंक वाली अशिमता ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे गेम में पूरा नियंत्रण बनाए रखा और मैच का रुख पलट दिया।उन्होंने इस लय को अंतिम क्वालिफाइंग राउंड में भी बरकरार रखा, जहां उन्होंने कोरिया गणराज्य की किम जूउन को 21-11, 10-21, 21-16 से हराकर मेन ड्रॉ का टिकट पक्का किया। निर्णायक गेम में स्कोर 15-15 की बराबरी पर पहुंचने के बाद अशिमता ने जबरदस्त धैर्य और आक्रामक खेल दिखाया और लगातार अंक जुटाकर मुकाबला अपने नाम किया।सुपर 300 श्रेणी के इस टूर्नामेंट में क्वालिफाइंग राउंड से आगे बढ़ने वाली वह एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रहीं।डबल्स वर्ग में भारत का सफर जल्दी समाप्त हो गया। पुरुष डबल्स में साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय को मलेशिया की जोड़ी नूर मोहम्मद अजरीन अयूब और टैन वी कियोंग ने 22-20, 22-20 से हराया।महिला डबल्स में रुतपर्णा पांडा और स्वेतापर्णा पांडा को चीन की बाओ ली जिंग और ली यी जिंग से सीधे गेम में हार मिली, जबकि अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम को इंडोनेशिया की फेब्रियाना कुसुमा और मेलिसा पुष्पितसारी ने बाहर किया।इसके अलावा सानिया सिकंदर और रश्मि गणेश भी क्वालिफाइंग राउंड में बाहर हो गईं।सिंगल्स क्वालिफायर में सतीश कुमार और सनीथ दयानंद पुरुष सिंगल्स से बाहर हुए, जबकि श्रेया लेले महिला सिंगल्स मेन ड्रॉ में जगह नहीं बना सकीं।मिक्स्ड डबल्स में मोहित जगलान और लक्षिता जगलान का सफर भी क्वालिफायर में ही समाप्त हो गया।भारत का मेन-ड्रॉ अभियान बुधवार से शुरू होगा, जिसमें मालविका बंसोड़, अनमोल खरब, किरण जॉर्ज और प्रियांशु राजावत अपने-अपने मुकाबलों में उतरेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप : भारत-पाकिस्तान मैच पर सस्पेंस, पीसीबी को एक गलत फैसले से हो सकता है भारी नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम की भागीदारी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। खास तौर पर भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) इस अहम फैसले पर राजनीतिक दबाव, कानूनी जोखिम और संभावित आर्थिक नुकसान को ध्यान में रखते हुए बेहद सतर्कता से विचार कर रहा है। बोर्ड के शीर्ष स्तर पर लगातार बैठकों और सलाह-मशविरे का दौर जारी है, जिससे यह मामला सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रह गया है।

PCB के फैसले पर क्यों बना हुआ है सस्पेंस

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि वह इस शुक्रवार या अगले सोमवार तक टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर सकता है। हालांकि, पूरे टूर्नामेंट के बहिष्कार की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। फिलहाल चर्चा का केंद्र केवल भारत के खिलाफ होने वाला मुकाबला है, जो वर्ल्ड कप का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच माना जाता है। PCB इस बात को भली-भांति समझता है कि एक गलत फैसला क्रिकेट के साथ-साथ देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी असर डाल सकता है।

राजनीतिक और सरकारी स्तर पर मंथन

PCB चेयरमैन मोहसिन नकवी ने हाल ही में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से लंबी बैठक की, जिसमें इस मुद्दे पर सभी संभावित विकल्पों पर चर्चा हुई। नकवी सरकार के शीर्ष नेतृत्व से मार्गदर्शन चाहते हैं ताकि कोई भी कदम उठाने से पहले उसके दूरगामी राजनीतिक और कूटनीतिक परिणामों को समझा जा सके। इसके अलावा, नकवी ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से भी इस मामले पर सलाह ली है, जो दर्शाता है कि यह फैसला सिर्फ खेल प्रशासन का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा बन चुका है।

PCB के भीतर क्या चल रही है चर्चा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, PCB के अंदर भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार एक गंभीर विकल्प के रूप में मौजूद है। हालांकि, यह फैसला पूरी तरह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट में हिस्सा लेता है, तो भारत के खिलाफ खेलने या न खेलने का अंतिम निर्णय शुरुआती दो मैचों के बाद लिया जा सकता है। पाकिस्तान को 7 फरवरी को नीदरलैंड्स और 10 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ अपने पहले दो मुकाबले खेलने हैं।

जीत या हार से बदल सकता है फैसला

सूत्रों के अनुसार, अगर पाकिस्तान अपने शुरुआती दोनों मैच जीत लेता है, तो भारत के खिलाफ मुकाबले का बहिष्कार करने की संभावना मजबूत हो सकती है। लेकिन यह कदम PCB के लिए भारी जोखिम लेकर आ सकता है। भारत-पाकिस्तान मैच न खेलना सिर्फ खेल के लिहाज से नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी बड़ा नुकसान साबित हो सकता है।

ब्रॉडकास्ट डील और कानूनी जोखिम

PCB के कानूनी सलाहकारों ने बोर्ड को आगाह किया है कि इस समय ICC की भारत स्थित ब्रॉडकास्टर जियोस्टार स्पोर्ट्स के साथ करीब 3 अरब डॉलर की डील चल रही है, जो 2027 तक वैध है। अगर भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होता, तो ब्रॉडकास्टर ICC के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है। ऐसी स्थिति में ICC, PCB को नोटिस जारी कर सकता है और सदस्य देशों को मिलने वाली वार्षिक फंडिंग पर भी असर पड़ सकता है।

पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर असर

PCB सूत्रों का मानना है कि यह फैसला सिर्फ एक मैच या एक टूर्नामेंट तक सीमित नहीं है। इससे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि, भविष्य में ICC टूर्नामेंट की मेजबानी की दावेदारी और बोर्ड की स्थिति पर गहरा असर पड़ सकता है। यही वजह है कि PCB जल्दबाजी में कोई कदम उठाने के मूड में नहीं है और हर पहलू को तौलने के बाद ही अंतिम फैसला लेना चाहता है।

महिला प्रीमियर लीग में जेमिमा पर 12 लाख का जुर्माना लगा

नई दिल्ली ।दिल्ली कैपिटल्स को दोहरा झटका लगा है। महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में जहां उसे करीबी मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।वहीं दिल्ली की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स पर 12 लाख का जुर्माना भी लगा है।दिल्ली को गुजरात जायंट्स ने 3 रन से हरा दिया था।वहीं दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा पर धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।यह जुर्माना धीमी ओवर गति के कारण लगाया गया है।लीग ने यह भी स्पष्ट किया कि इस सत्र में ये जेमिमा की पहली गलती है।इसलिए उनपर केवल जुर्माना ही लगाया गया है।टीम अब तक 7 मैचों में छह अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।इसका नेट रन रेट -0.164 हो गया है।इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद काफी कम हो गयी है। अब प्लेऑफ की संभावना को बनाए रखने के लिए दिल्ली को 1 फरवरी को यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम लीग मुकाबले को हर हाल में जीतना होगा।

कंटेंट से समझौता नहीं, हिट फिल्में रिस्क लेने की ताकत देती हैं

आयुष्मान खुराना ने खुद को कंटेंट ड्रिवन स्टार के रूप में स्थापित किया है। उनसे सफलता के गणित और आने वाली फिल्मों पर हुई बातचीत...

आपकी फिल्मों का स्ट्राइक रेट इंडस्ट्री में बेहतरीन माना जाता है। इसका राज क्या है?

इसे किसी एक वजह तक सीमित नहीं किया जा सकता। सबसे अहम है स्क्रिप्ट, वही नींव है। कमजोर कहानी को कोई स्टारडम नहीं बचा सकता। इसके साथ ही मैं खुद को एक प्रोड्यूसर-फ्रेंडली एक्टर मानता हूं। शूटिंग से पहले ही फिल्म का गणित समझ लेता हूं, ताकि प्रोजेक्ट शुरू से ही सेफ जोन में रहे। जब फिल्म आर्थिक रूप से सुरक्षित होती है, तो क्रिएटिव फ्रीडम अपने आप बढ़ जाती है।

प्रोड्यूसर-फ्रेंडली होने से आपका क्या मतलब है?

इसका दायरा बड़ा है। फीस से लेकर टीम और सेट के खर्च तक। मैं कोशिश करता हूं कि मेरी टीम छोटी और असरदार हो। फिजूलखर्ची से बचता हूं। फीस भी इस तरह तय करता हूं हूं कि कि बजट परदे पर दिखे, न कि जेब में। फिल्म हिट होगी, तो रिवॉर्ड मिल ही जाते हैं। साथ ही, मैं उन्हीं प्रोड्यूसर्स के साथ काम करना पसंद करता हूं, जिन्हें फिल्म को सही स्केल पर माउंट करना आता हो।

क्या अब 100 करोड़ रुपए का क्लब अब आपके लिए नॉर्मल हो गया है?

मैं नंबर्स के पीछे नहीं भागता, लेकिन उनकी अहमियत समझता हूं। 100 करोड़ रुपए कमाना मेरे लिए एक मदद जैसा है। जब ड्रीम गर्ल 2 जैसी फिल्में चलती हैं, तभी मुझे अंधाधुन, आर्टिकल 15 या एन एक्शन हीरो जैसे रिस्की प्रोजेक्ट्स करने की आजादी मिलती है। कमर्शियल सिनेमा मुझे प्रयोग करने की ताकत देता है।

निधि अग्रवाल ने खोली निगेटिव पीआर कल्चर की पोल

अभिनेत्री निधि अग्रवाल हाल ही में प्रभास के साथ फिल्म 'द राजा साब' में नजर आई थीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली। अब निधि अग्रवाल ने पीआर कल्चर और पैसे देकर कराए जाने वाले निगेटिव पीआर पर अपनी राय रखी है। निधि ने बताया कि कैसे अक्सर पैसे का इस्तेमाल प्रतिभा को बढ़ावा देने के बजाय लोगों को नीचा दिखाने के लिए किया जाता है।

यहां बहुत निगेटिव पीआर होता है

बातचीत के दौरान निधि अग्रवाल ने खुलासा किया कि उन्हें भी निगेटिव पीआर का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि इतना निगेटिव पीआर होता है। बहुत सारे तरीकों से हमले होते हैं। यहां तक कि बुक माय शो और आईएमडीबी रेटिंग्स जैसी चीजें भी। पेड रिव्यूज का एक खास वर्ग भी है। लोग दूसरों को नीचा दिखाने के लिए बहुत पैसा खर्च करते हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि लोग खुद को ऊपर उठाने से ज्यादा पैसा दूसरों को नीचे गिराने में लगाते हैं। हाल ही में मुझ पर भी एक दो निगेटिव अभियान शुरू हुए थे, लेकिन हमने उन्हें तुरंत रोक दिया। क्योंकि मैंने सोचा यार मैं तो खुद को अच्छे तरीके से आगे बढ़ाऊंगी, लेकिन अगर तुम कुछ नकारात्मक करोगे, तो मैं भी तुम्हें वैसा ही जवाब दूंगी।

वरुण और कार्तिक पर हुए निगेटिव पीआर को बताया गलत

हाल ही में वरुण धवन और कार्तिक आर्यन पर हुए निगेटिव पीआर हमलों के बारे में बात करते हुए निधि ने कहा कि यह बहुत बुरा है। लोग इसके लिए बहुत पैसा खर्च करते हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत ही खराब है। क्योंकि अभिनेता बहुत संवेदनशील और भावुक होते हैं। वे अंदर से बच्चों जैसे होते हैं। मुझे लगता है कि यह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। आपको ऐसा लगता है जैसे आप पर हमला किया जा रहा है। सार्वजनिक हस्तियां सार्वजनिक संपत्ति नहीं होतीं। घर पर सबके माता-पिता होते हैं और आप उनके प्रति जवाबदेह होते हैं। यह ठीक नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई 'द राजा साब'

निधि अग्रवाल हाल ही में प्रभास के साथ फिल्म द राजा साहब में नजर आई थीं। मारुति द्वारा निर्देशित यह हॉरर-कॉमेडी बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। फिल्म में इसके अलावा संजय दत्त, मालविका मोहनन, रिद्धि कुमार और जरीना वहाब भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

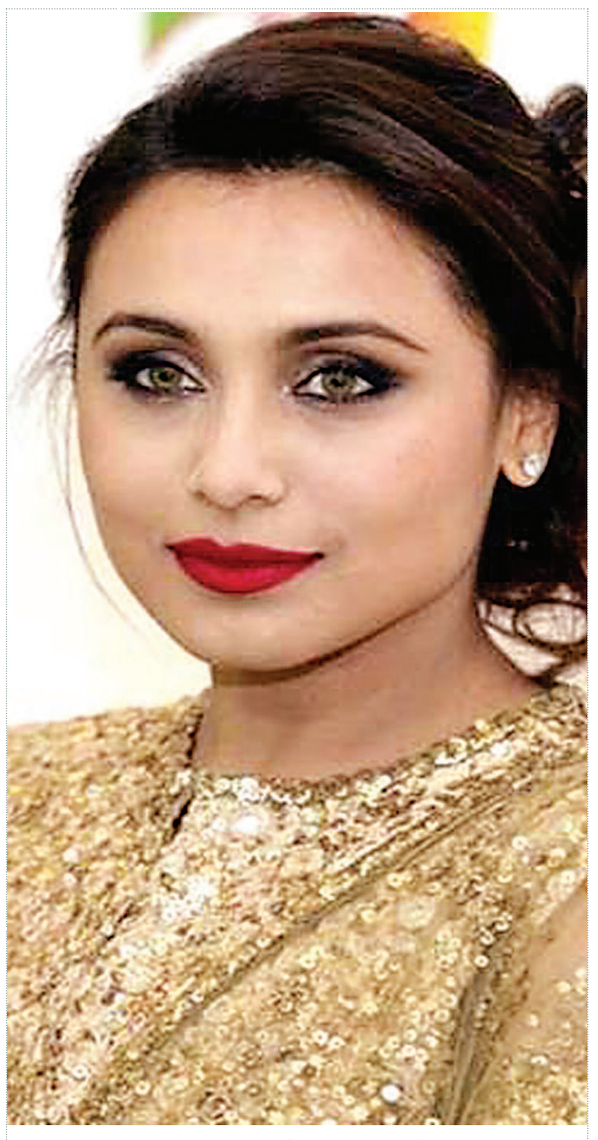

मर्दानी सिर्फ एक फिल्म नहीं, ये एक जिम्मेदारी है

रानी मुखर्जी ने हमेशा समाज को झकझोरने वाली कहानियां चुनीं। इस बार मर्दानी 3 में उनकी लड़ाई और खतरनाक होने वाली है। फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी।

मर्दानी जैसे किरदार की जिम्मेदारी कैसे देखती हैं?

मर्दानी सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये एक जिम्मेदारी है। शिवानी शिवाजी रॉय लोगों के दिलों में बस चुकी है। हर बार जब मैं इस किरदार में लौटती हूं, तो दबाव होता है कि पहले से ज्यादा सच्चाई और ताकत के साथ आऊं। इस बार लड़ाई और भी खतरनाक है, विषय और भी डरावना है, लेकिन ऐसी कहानियां बार-बार कही जानी चाहिए, क्योंकि जब तक दर्शक इन्हें देखेंगे नहीं, तब तक ऐसी फिल्में बनती नहीं रहेंगी।

नेशनल अवॉर्ड जीता, वह पल पिता नहीं देख पाए। इस एहसास को आप कैसे बयां करेंगी?

ये ऐसी कमी है जो कभी पूरी नहीं होगी। पापा मेरे सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम थे। उनके जाने के बाद हर खुशी अधूरी लगती है। नेशनल अवॉर्ड ही नहीं, मेरी जिंदगी का हर बड़ा पल उनसे जुड़ा है। जब भी कुछ अच्छा या बुरा होता है, सबसे पहले पापा याद आते हैं।

हमेशा मुश्किल टॉपिक्स चुने, ये हिम्मत कहां से आती है?

मम्मी से शायद। बचपन से हम काली-दुर्गा को पूजते हैं। देवताओं की मदद के लिए असुरों का संहार करने की कहानियां सुनकर बड़े हुए हैं। ये ताकत बंगाली संस्कृति में बचपन से ही अंदर बसी रहती है।

कभी लगा कि गंभीर रोल चुनने से स्टारडम को नुकसान हो सकता है?

मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं कोई रिस्क ले रही हूं, क्योंकि मैंने कभी स्टारडम को अपना लक्ष्य बनाया ही नहीं। जरूरी था कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बनूं जो मुझे अंदर से छूती हैं। अगर कोई किरदार समाज को असहज करता है, सवाल खड़े करता है या किसी औरत की ताकत दिखाता है, तो मुझे लगता है कि मैं सही दिशा में काम कर रही हूं।

उर्वशी ढोलकिया अब मचाएंगी द 50 में धमाल

मशहूर अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया जल्द ही रियलिटी शो द 50 में नजर आएंगी। शो में अपनी एंट्री को लेकर अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं, लेकिन साथ ही घबराहट भी महसूस कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में आईएएनएस से बातचीत में खुलकर बातें शेयर की। उन्होंने कहा, मैं द 50 में जाने के लिए काफी उत्साहित हूं, लेकिन साथ ही नर्वस भी हूं। मेरे लिए यह एक बड़ा एडवेंचर होने वाला है। साथ ही, यह कुछ अलग और नया अनुभव भी होगा। मैं तो बस इस शो में नए अनुभव लेने के लिए जा रही हूं। अभिनेत्री ने प्लानिंग के बारे में बात करते हुए कहा, शो में कौन प्लानिंग करके जाता है? अगर कोई ऐसा करता है, तो प्लीज मुझे भी बता दीजिए। मैंने आखिरी बार साल 2012 में रियलिटी शो किया था और उसके बाद अब करने जा रही हूं। इसलिए मेरे पास कोई स्ट्रैटेजी नहीं है। मैं बस वहां जाकर जो होगा, उसे इंजॉय करूंगी। शो में कंटेस्टेंट्स की लिस्ट को लेकर उर्वशी ने कहा कि उन्हें अभी तक सिर्फ उतने ही नाम पता हैं, जितने अभी तक सामने आए हैं। उन्होंने कहा, जब मैं पहले रियलिटी शो में गई थी, तब भी मुझे बाकी कंटेस्टेंट्स के बारे में पहले से कुछ नहीं पता था। अब भी वही हाल है। सब कुछ पैलेस में एंटर करने के बाद ही पता चलेगा। मैं बस उस पल का इंतजार कर रही हूं। उर्वशी वैसे काफी समय से मनोरंजन जगत में काम कर रही हैं, लेकिन सबसे ज्यादा उन्होंने पॉपुलैरिटी स्टार प्लस टीवी सीरियल कसौटी जिंदगी की में कोमोलिका के रोल से हासिल की थी। अब वह कई सालों के बाद फिर से रियलिटी फॉर्मेट में वापसी कर रही हैं। द 50 एक रियलिटी शो है, जिसमें सेलिब्रिटी अलग-अलग चुनौतियों का सामना करेंगे। यह शो 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार पर रात 9 बजे और कलर्स टीवी पर भी प्रसारित होगा।

असल में फैमिली मैन हैं तस्करी के बड़ा चौधरी शरद केलकर

एक्टर शरद केलकर जितने ज़हीन कलाकार हैं, निजी जिंदगी में उतने ही परफेक्ट फैमिली मैन भी। टीवी, फिल्मों और ओटीटी तक पर सफलतापूर्वक अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले शरद इन दिनों नेटफ्लिक्स पर आई अपनी वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स वेब को लेकर चर्चा में हैं। शरद एक बेहतरीन डबिंग आर्टिस्ट भी हैं। हॉलीवुड की डाउन ऑफ द प्लेनेट ऑफ द ऐप्स और गार्डियन्स ऑफ द गैलेक्सी जैसी फिल्मों के हिंदी वर्जन से लेकर साउथ की बाहुबली फ्रेंचाइज, सलार और आदिपुरुष में वह लीड किरदार की आवाज बने। बातचीत में शरद ने अपने करियर से लेकर निजी जिंदगी और परिवार को लेकर दिलचस्प बातें की हैं।

शो में आप नेगेटिव रोल में हैं। पहले भी आपने नकारात्मक भूमिकाएं की हैं। क्या नेगेटिव रोल बतौर एक्टर पर्दे पर ज्यादा खेलने का मौका देते हैं?

हां, आपको थोड़ा ज्यादा खेलने की आजादी होती है, लेकिन असल में विलेन भी अपनी नजर में हीरो ही होता है, बस उसकी सोच गलत होती है। अपने दिमाग में वह हीरो है कि मैं जो कर रहा हूं सही कर रहा हूं। अपने लिए कर रहा हूं और बतौर एक्टर आपको भी ऐसे ही सोचना होता है। अगर आप ये सोचने लगेंगे कि ये कैरेक्टर गलत कर रहा है तो वो असहजता आपके चेहरे पर दिखेगी। इसलिए, **बतौर ऐक्टर आप उसे जज नहीं कर सकते। आपको उसे अपनाना पड़ेगा। हालांकि, कभी-कभी ऐसा लगता है कि यार, ये कैसा आदमी है?**

जैसे मुझे याद है जब मैं ऑपरेशन रोमियो कर रहा था तो सातवें-आठवें दिन बहुत परेशान हो गया कि यार, ये मैं नहीं हूं। क्या गंदा काम कर रहा हूं, तो मैं नीरज पांडे सर के ऑफिस पहुंचा और बोला कि सर, मुझे बहुत तकलीफ हो रही है। खुद से घिन आ रही है कि ये मैं क्या कर रहा हूं तो उन्होंने कहा- तुझे बहुत खराब लग रहा है न, तो ऐसे ही करते रह, क्योंकि तभी लोगों को भी वैसा लगेगा। यही एक एक्टर की सफलता है कि लोगों को वह किरदार दिखे, उन्हें शरद केलकर न दिखे।

आप एक्टर होने के साथ पिता भी हैं। कभी बेटी केशा की वजह से काम को लेकर कोई चॉइस बदली हैं कि मुझे ये चीजें नहीं करनी हैं?

नहीं, बिल्कुल नहीं। अभी तो वो बहुत छोटी हैं। वह सिर्फ 12 साल की होने वाली है, मगर वह खुद थिएटर करती हैं। स्कूल के नाटकों में परफॉर्म करती हैं। गाना गाती है, तो इस दुनिया से अवेयर हैं। हालांकि, उसने फिल्में कभी पूरी देखी नहीं हैं। एकाध कोई फिल्म देखी होगी, लेकिन वो जानती है कि रियलिटी और एक्टिंग बहुत अलग-अलग चीजें हैं, क्योंकि वो खुद एक्टिंग करती है तो उसे पता है कि मैं एक किरदार निभा रहा हूं। इसलिए, मुझे यह डर नहीं है कि कभी वो ये बोलेगी कि पापा, आपने ऐसा कैरेक्टर क्यों किया? उतनी समझ उसमें है, क्योंकि मैं और मेरी पत्नी कीर्ति दोनों एक्टर हैं तो वह इस दुनिया से वाकिफ है। हालांकि, उसे फिल्मों में ज्यादा रुचि नहीं है। उसका रुझान म्यूजिक की ओर ज्यादा है। वह गाना गाती है।

आपने पत्नी कीर्ति गायकवाड़ केलकर का जिक्र किया, जिनके साथ आपकी शादी को दो दशक हो गए। आज के समय में जहां प्यार के रिश्ते इतने नाजुक हो गए हैं, सफल शादी का क्या सूत्र मानते हैं?

प्यार सबसे जरूरी चीज है। दूसरे सम्मान बहुत जरूरी है और वक्त जो एक दूसरे को देना चाहिए। ये तीन चीजें बहुत जरूरी हैं। ये तीन चीजें अगर आप एक दूसरे को देंगे तो सब आसान है। मुझे लगता है कि रिश्ता निभाना इतना भी मुश्किल नहीं है, हम बस उसे कॉम्प्लिकेटेड बना लेते हैं। बहुत छोटी-छोटी चीजें होती है, जिसे आपसी समझ से सुलझा सकते हैं। हमारी जब शादी हुई थी तब ये सुनते थे कि इनकी शादी को दस साल, 12 साल हो गए तो हैरानी होती थी। आज हमें खुद 21 साल हो गए और वैसा ही महसूस होता है जैसे जब शादी हुई थी। हमें एक थोड़ा सा फायदा ये है कि हम दोनों ही एक्टर हैं तो एक दूसरे को बेहतर ढंग से समझते हैं।

तस्करी सीरीज में बड़े चौधरी का किरदार निभाने का अनुभव कैसा रहा? सुना है उसके लिए 8 किलो वजन कम किया?

मैं नीरज सर (शो के रनर नीरज पांडे) के साथ 6-7 साल से काम कर रहा हूं। ये उनके साथ मेरा तीसरा प्रोजेक्ट है। मुझे उनके संग काम करने में बहुत मजा आता है, क्योंकि उनकी राइटिंग में बहुत क्लैरिटी होती है। मैंने उनके साथ काम करते हुए बहुत सीखा है। वह सब कुछ बहुत अच्छे से समझाते हैं, फिर आपको छोड़ देते हैं कि अपने हिसाब से करो। आपको किसी दायरे में नहीं बांधते, जो एक्टर के लिए बहुत बड़ी बात है। इसमें बड़े चौधरी के किरदार की खासियत यह है कि वह टिपिकल विलेन नहीं है। उसकी एक बढ़िया सी बैक स्टोरी है। वह एक आम सा दिखने वाला बिजनेसमैन है, मगर वो क्या कर रहा है, कैसे कर रहा है, वह रोचक है। रही बात वजन कम करने की, तो असल में मैं मोटा था तो नॉर्मल हुआ। ऐसा कोई वजन घटाया नहीं है। मैं बहुत फूडी हूं तो बहुत खाता रहता हूं, इसलिए वजन थोड़ा बढ़ गया था, वो थोड़ा कंट्रोल किया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।